मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 29 अक्टूबर 2025

संवत 2082, कार्तिक शुक्लपक्ष 8 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 50 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 यूएनओ : आठ दशकों की विफलता और प्रासंगिकता का संकट

जिया शंकर ने लाल साड़ी में बिखेरा जादू 6

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया शानदार दिखने वाला व्यक्ति- मजबूत आदमी, व्यापार समझौते पर भी दिए संकेत

नई दिल्लीः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुधवार को दक्षिण कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपीईसी) सम्मेलन की सीईओ वार्ता में हिस्सा लेने पहुंचे। यहां उन्होंने अपने भाषण के दौरान भारत से व्यापार समझौते और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र किया। ट्रंप ने उस समय का भी जिक्र किया, जब भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष चल रहा था और दावा किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री से बातचीत की थी।

ट्रंप ने अपने भाषण के दौरान पीएम मोदी को सबसे शानदार दिखने वाला व्यक्ति करार दिया। साथ ही कहा कि वे फादर की तरह हैं। ट्रंप ने कहा कि पीएम मोदी जबरदस्त हैं। वे काफी मजबूत नेता हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत के ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने एक मौके पर उनसे कहा कि 'हम लड़ते रहेंगे।' ट्रंप ने दावा किया कि दो दिन बाद भारत ने अमेरिका को फोन किया और अपने रवैये में नरमी दिखाई।

उन्होंने कहा कि यह एक बेहतरीन बात थी।

व्यापार समझौते को लेकर दिया संकेतः ट्रंप ने अपने भाषण के दौरान भारत से जल्द व्यापार समझौता पूरा होने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका जल्द ही व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। हालांकि, इस बीच उन्होंने आयात शुल्क को अमेरिका की ताकत के तौर पर भी दर्शाया। ट्रंप ने एक बार फिर पुराना राग अलापते हुए कहा, अगर आप भारत-पाकिस्तान को देखें तो मैं भारत के साथ व्यापार समझौता करने वाला हूं और मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बेहद सम्मान करता हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इससे पहले जापान में भी भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने का राग अलापा था। ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच हुई झड़प में 'सात नए खूबसूरत विमान' गिराए गए थे। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने व्यापार के जरिए दोनों देशों के बीच तनाव को खत्म कराया था।

व्यापार समझौते पर क्या है स्थिति? : ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। दोनों देशों के बीच पिछले कुछ महीनों से चल रही गहन वार्ताओं के बाद अब समझौते का पहला चरण लगभग तय माना जा रहा है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत-अमेरिका पहले ट्रांच को अंतिम रूप देने के लिए बहुत करीब हैं, और सिर्फ दस्तावेजी भाषा पर सहमति बननी बाकी है।

पानी भरे बाल्टी में डुबने से मासूम की मौत

बानोः प्रखंड पंचायत बड़काडुईल अंतर्गत राजस्व ग्राम मेगसोर में ढाई साल की रामेश्वरी कुमारी पिता जगेश्वर सिंह की बाल्टी की पानी में डुबने से मौत हो गई । घटना की सूचना मिलने पर भाजपा प्रखंड अध्यक्ष बालमुकुन्द सिंह अस्पताल पहुंच कर डॉक्टर से बच्ची के बारे में जानकारी ली एवं परिजन से मिल कर उन्हें ढांढस

गाजा में फिर बरपा बमों का तूफान, 26 लोगों की मौत से मचा हाहाकार

ट्रंप की एक नहीं चली, टूट गया गाजा समझौता, इजरायल ने हमास पर किया हमला

नई दिल्लीः अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के हमास द्वारा कथित उल्लंघन के बाद इजरायल ने गाजा पट्टी पर एक बार फिर जोरदार हमले शुरू कर दिए हैं जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई है। इजरायली रक्षा बलों ने यह हमला प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के गाजा पट्टी में तुरंत हमले करने के निर्देश के बाद किया।

रॉकेट और स्नाइपर हमले के बाद इजरायल का जवाबी वार

आईडीएफ ने कहा कि गाजा पर हमला करने के फैसले से पहले अमेरिका को सूचित किया गया था। एक सैन्य अधिकारी ने दावा किया कि हमास के लड़ाकों ने पहले इजरायली बलों पर हमला किया। राफा क्षेत्र में तैनात इजरायली सैनिकों पर रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड और स्नाइपर फायरिंग की गई। हमले के तुरंत बाद इजरायली रक्षा मंत्री कैट्ज ने चेतावनी दी कि हमास को आईडीएफ कर्मियों को निशाना बनाने के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और इजरायल बड़ी ताकत से जवाब देगा।

हवाई हमलों में बच्चों और महिलाओं की मौतः रक्षा मंत्री की टिप्पणी के तुरंत बाद गाजा में इजरायली हवाई हमले हुए जिससे नागरिक हताहत हुए:

गाजा शहरः गाजा नागरिक रक्षा ने बताया कि अल-सबरा इलाके में हुए हवाई हमले में कम से कम तीन महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई।

युद्धविराम के बीच नेतन्याहू का नया ऐलानः युद्धविराम के बीच नेतन्याहू का नया ऐलानः जंग अभी खत्म नहीं हुई , गाजा में तबाही बरकरार

अक्टूबर 2023 में शुरू हुए इस संघर्ष में अब तक कम से कम 68,527 लोग मारे गए हैं और 170,395 घायल हुए हैं। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमलों के दौरान इजरायल में 1,139 लोग मारे गए थे और 250 से अधिक को बंदी बनाया गया था।

भारत-अफगानिस्तान का दोस्ताना पाक को नहीं आ रहा रास, आसिफ बोले-

काबुल दिल्ली की कठपुतली

नई दिल्ली : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर भारत और अफगानिस्तान पर आरोपों की झड़ी लगा दी है। आसिफ ने कहा कि अफगानिस्तान भारत की कठपुतली बन गया है और दिल्ली के इशारे पर पाकिस्तान में आतंक फैला रहा है। आज शहजेब खानजादा के साथ में बातचीत के दौरान आसिफ ने चेतावनी दी कि अगर अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर हमला करने की कोशिश की, तो उसका जवाब 50 गुना ताकत से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत अपनी पश्चिमी सीमा पर मिली हार का बदला काबुल के जरिए ले रहा है।

भारत पर शांति वार्ता तोड़ने का आरोपः इस्तांबुल में पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच हाल ही में हुई शांति वार्ता अचानक टूट गई। आसिफ ने इसका ठीकरा भारत पर फोड़ते

हुए कहा कि जब भी समझौता नजदीक आता, काबुल को दिल्ली से फोन आता और वार्ता रुक जाती। उन्होंने कहा, हम लगभग समझौते पर पहुंच चुके थे, लेकिन काबुल को फोन आने के बाद वे पीछे हट गए।

आसिफ ने यह भी स्वीकार किया कि पाकिस्तान ने अमेरिका को अपने क्षेत्र में ड्रोन ऑपरेशन की अनुमति दी है। उनके अनुसार, यही मुद्दा वार्ता टूटने का कारण बना क्योंकि अफगान पक्ष ने इस पर कड़ा विरोध जताया था। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले चार वर्षों से अफगानिस्तान आतंकवादियों का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी, अगर अफगानिस्तान ने इस्लामाबाद की तरफ आंख उठाकर देखा भी, तो हम उसकी आंखें निकाल लेंगे।

आसिफ ने काबुल और दिल्ली दोनों पर आतंक का खेल खेलने का आरोप लगाया और कहा कि भारत द्वारा संचालित ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। आसिफ ने आगे कहा कि अफगानिस्तान की सरकार में ऐसे लोग हैं जो भारत जाकर मंदिरों में मत्था टेकते हैं। उन्होंने भारत पर ह्लअफगानिस्तान के जरिए प्रॉक्सी वॉर छेड़नेह्व का आरोप लगाया।

इस्तांबुल में 25 अक्टूबर को हुई वार्ता का दूसरा दौर कतर और तुर्किए की मध्यस्थता के बावजूद विफल रहा। आसिफ ने चेताया कि अगर वार्ता असफल रही तो खुला युद्ध छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ह्लआतंकवाद के लिए काबुल जिम्मेदार है और दिल्ली इसका सूत्रधार है। पाकिस्तान किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा।

विहार विस चुनाव

बिहार में जारी रहेगी शराबबंदीः तेजस्वी

पटना : मंगलवार को महागठबंधन का संयुक्त घोषणा पत्र बिहार का तेजस्वी प्रण जारी करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि शराबबंदी कानून ने पासी समाज को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है, जबकि ताड़ी कोई नशे वाला पेय नहीं बल्कि एक प्राकृतिक पेय है। तेजस्वी ने कहा, हम सत्ता के लिए नहीं, बिहार को बेहतर बनाने के लिए राजनीति कर रहे हैं। जिनका मकसद बिहार को कब्जाना है, वे विकास नहीं कर सकते।

शराबबंदी में संशोधन का वादाः पासी समाज को न्याय देने की बात : महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने ऐलान किया है कि अगर उनकी सरकार बनी तो बिहार के शराबबंदी कानून में संशोधन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ताड़ी को इस कानून से बाहर किया जाएगा ताकि पासी समाज की आजीविका पर कोई असर न पड़े।

तेजस्वी ने कहा, ताड़ी एक प्राकृतिक पेय है, इसमें अल्कोहल नहीं होता। लेकिन मौजूदा कानून ने इसे भी शराब की श्रेणी में डाल दिया है, जिससे हजारों परिवारों की रोजी-रोटी छिन गई है। उनका यह बयान बिहार के उस तबके के बीच गूंज पैदा कर रहा है, जो पिछले नौ वर्षों से शराबबंदी कानून के तहत प्रशासनिक कार्रवाई का सामना कर रहा है।

शराबबंदी की समीक्षा और गरीबों को राहतः तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि महागठबंधन की सरकार बनी तो बिहार प्रोहिबिशन एंड एक्साइज एक्ट की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा–

ताड़ी और महुआ पर आधारित पारंपरिक व्यवसायों को मद्यनिषेध कानून के दायरे से बाहर किया जाएगा। इस कानून के तहत जेलों में बंद गरीबों और दलितों को तत्काल राहत दी जाएगी।

आरजेडी नेता ने तर्क दिया कि जो समुदाय पीढ़ियों से ताड़ी के धंधे से जुड़ा है, उसके पास न खेती की जमीन है और न कोई दूसरा रोजगार। ऐसे में प्रतिबंध अन्यायपूर्ण है और इसे हटाना जरूरी है।

2016 से लागू है पूर्ण शराबबंदीः नीतीश कुमार सरकार ने अप्रैल 2016 में बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू की थी। इस फैसले का मकसद महिलाओं की सुरक्षा और सामाजिक सुधार बताया गया था। लेकिन इसके बाद से अवैध शराब कारोबार और निर्दोष गरीबों की गिरफ्तारी जैसे मुद्दे लगातार चर्चा में रहे हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, बड़ी संख्या में दलित, महादलित और पिछड़े वर्ग के लोग आज भी शराबबंदी कानून के तहत जेलों में बंद हैं। इसी पृष्ठभूमि में तेजस्वी यादव का बयान, एक राजनीतिक और सामाजिक दोनों संदेश देता है।

मोंथा चक्रवात ने आंध्र-ओडिशा में मचाया कोहराम, भारी बारिश से विजयवाड़ा में अफरा-तफरी, 120 ट्रेनें रद्द, हजारों बेघर

नई दिल्लीः चक्रवाती तूफान मोंथा के पश्चिम गोदावरी जिले के नरसापुर के पास आंध्र प्रदेश के तट से गुजरने के बाद बुधवार सुबह विजयवाड़ा शहर में तेज हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई, कई पेड़ उखड़ गए जबकि कई सड़कें जलमग्न हो गईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी की ओर से बुधवार सुबह पांच बजे जारी बुलेटिन में कहा गया है कि तट पार करने के बाद चक्रवात पिछले छह घंटे के दौरान उत्तर-पश्चिमी दिशा में 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ा और धीमा पड़ गया।

आईएमडी ने एक विज्ञप्ति में कहा, ताजा अवलोकन से संकेत मिलता है कि भीषण चक्रवाती तूफान मोंथा ने (28 अक्टूबर की रात 11:30 बजे से 29 अक्टूबर की रात 12:30 बजे के बीच) आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र को पार किया। विज्ञप्ति के अनुसार तट से गुजरने की प्रक्रिया लगभग पांच घंटे तक चली, जो मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे शुरू हुई और देर रात 12:30 बजे पूरी हुई। देर रात 2:30 बजे तक मोंथा विशाखापत्तनम से 230 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में केंद्रित था।

मौसम विभाग ने कहा, संभावना है कि यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आंध्र प्रदेश के तट को पार करेगा और अगले छह घंटे के दौरान प्रचंड अवस्था में रहेगा, उसके बाद के छह घंटे के दौरान धीमा पड़कर गहन दाबक्षेत्र में तब्दील हो जाएगा।

आंध्र में भारी बारिश, उड़ानें और ट्रेनें रद्दः चक्रवाती तूफान के प्रभाव में, मछलीपट्टनम में सुबह 8:30 बजे से 5।2 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद नरसापुर (9।8 मिमी), तुनी (15।6 मिमी), काकीनाडा (5।7 मिमी) और विशाखापत्तनम (0।2 मिमी) में बारिश दर्ज की गई। नेल्लोर ज़िले में भी पिछले 36 घंटों से लगातार बारिश हो रही है, पिछले 24 घंटों में औसतन पाँच सेमी बारिश दर्ज की गई और कुछ इलाकों में सात सेमी तक बारिश हुई, एक अधिकारी ने बताया कि अगले 12 घंटों तक भारी बारिश जारी रहने की उम्मीद है और संवेदनशील शहरी और ग्रामीण इलाकों में निगरानी दल अलर्ट पर हैं।

इस बीच, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोनासीमा ज़िले के मकानगुडेम गाँव में तेज तूफान में एक पेड़ उखड़कर उसके ऊपर गिर जाने से एक महिला की मौत हो गई। आसन्न चक्रवात ने आंध्र प्रदेश में उड़ान संचालन को भी प्रभावित किया है, जहाँ अधिकारियों ने विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर 32, विजयवाड़ा हवाई अड्डे पर 16 और तिरुपति हवाई अड्डे पर चार उड़ानें रद्द कर दी हैं।

इस बीच, एक रेलवे अधिकारी ने बताया कि चक्रवात मोन्था के मद्देनजर दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) क्षेत्र में सोमवार और मंगलवार को कुल 120 ट्रेनें रद्द कर दी गईं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने चक्रवात के आंध्र प्रदेश तट पर पहुँचने के मद्देनजर राहत और बचाव कार्यों के लिए बचाव दल की 45 टीमें तैनात की हैं।

पड़ोसी ओडिशा अलर्ट परः ओडिशा, जिसके पड़ोसी आंध्र प्रदेश में भी चक्रवात मोन्था का खतरा मंडरा रहा है, अलर्ट पर है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि उनकी सरकार ने इस भीषण चक्रवाती तूफान से प्रभावित होने की संभावना वाले लोगों के लिए आठ दक्षिणी ज़िलों में 2,000 से ज्यादा आपदा राहत केंद्र खोले हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा खोले गए 2,048 आपदा राहत केंद्रों में 11,396 लोगों को स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को देवमाली और महेंद्रगिरि पहाड़ियों जैसे स्थलों में प्रवेश की अनुमति नहीं है और तटरेखा के विभिन्न समुद्री तटों पर लोगों के जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चक्रवात की स्थिति के मद्देनजर नौ जिलों में स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र 30 अक्टूबर तक बंद कर दिए गए हैं।

इस बीच, पूर्वी तट रेलवे ने वाल्टेयर क्षेत्र और उससे जुड़े मार्गों पर चलने वाली कुछ ट्रेनों को रद्द करने, उनके मार्ग बदलने और कुछ ही समय के लिए उन्हें रोकने की घोषणा की है। सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां भी 30 अक्टूबर तक रद्द कर दी गई हैं।

राज्य सरकार ने मछुआरों को 29 अक्टूबर तक ओडिशा तट के आसपास बंगाल की खाड़ी में न जाने की सलाह दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार तड़के घोषणा की कि आंध्र प्रदेश तट पार करने के बाद भीषण चक्रवाती तूफान मोन्था कमजोर होकर चक्रवाती तूफान में बदल गया है, जिससे मंगलवार शाम कई तटीय जिलों में भारी बारिश और तेज हवाएँ चलीं।

अंबाला एयरबेस से फाइटर प्लेन सूट पहन राष्ट्रपति मुर्मू ने भरी उड़ान, रचा इतिहास

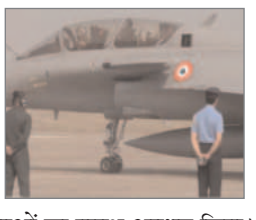

अंबाला : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को अंबाला वायुसेना स्टेशन से फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमान में एक ऐतिहासिक उड़ान भरी। राष्ट्रपति एयरफोर्स की ओर से आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। इस उड़ान के साथ, उन्होंने भारतीय वायुसेना की युद्धक क्षमताओं का प्रत्यक्ष अनुभव किया।

राष्ट्रपति के इस महत्वपूर्ण दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन और वायुसेना ने सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए थे। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बताया कि राष्ट्रपति दिल्ली से हवाई मार्ग के जरिए अंबाला छावनी स्थित एयरफोर्स स्टेशन पहुंचीं। कार्यक्रम के आयोजन और प्रोटोकॉल के तहत संबंधित विभागों के अधिकारियों व अन्य की जिम्मेदारी पहले ही तय कर दी गई थी। सुरक्षा के लिहाज से एयरफोर्स स्टेशन के आसपास के इलाके में ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह पाबंदी लगाई गई। इसके अतिरिक्त, एयरफोर्स स्टेशन के अंदर किसी को भी मोबाइल फोन ले जाने की इजाजत नहीं थी और केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही स्टेशन में प्रवेश दिया गया। गौरतलब है कि भारत ने फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद की है। इन विमानों की पहली खेप 27 जुलाई 2020 को मिली थी, जिसमें 5 राफेल विमान शामिल थे।

समाचार सार

उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ 36 घंटे का निर्जला संपन्न

सिल्ली : सिल्ली-मुरी एंव आसपास के कई गांवों के छठ घाट पर आस्था का महापर्व छठ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। सोमवार को शाम के समय साहेब बांध, सुवर्ण रेखा नदी, राढू नदी आदि जलाश छठ घाटों में व्रती महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में माथे में दौरा लेकर फल पकवान एवं पूजा सामग्री के साथ पहुंच सूर्य भगवान व छठ मैया की उपासना कर डूबते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। साथ ही सूर्य भगवान से परिवार की सुख समृद्धि और पति की दीघार्यु की कामना की। उसके बाद मंगलवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का समापन हुआ। क्षेत्र में विधि व्यवस्था की कमान सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर व मुरी ओपी प्रभारी राहुल मेहता संभाले हुए थे। साहेब बांध छठ घाट में विधायक अमित महतो की ओर से छठ व्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण किया गया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ पूरी हुई आस्था की यात्रा, महापर्व छठ संपन्न

खूंटी: लोक आस्था के महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ संपन्न हो गया। जिले के सभी प्रमुख घाटों पर सूर्योदय के पावन क्षणों में हजारों श्रद्धालुओं ने अर्घ्य दिया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

भोर से ही घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई जिसमें राजा तालाब, साव तालाब, चौधरी तालाब, दादूल घाट, महादेव मंडा पुराना तालाब, दतिया पाहन तालाब, तजना नदी घाट और सिलादोन तालाब सहित ग्रामीण क्षेत्रों के सभी घाटों पर भोर से ही श्रद्धालुओं का तांता लग गया। पारंपरिक छठ गीतों की मधुर स्वरलहरियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

महिलाएं और पुरुष पारंपरिक परिधानों में सजे-धजे, दउरा-सूप लिए घाटों पर पहुंचे। व्रतियों ने कमर तक पानी में उतरकर उदय होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। हर ओर दीपों की टिमटिमाहट और रंग-बिरंगी लड़ियों से घाटों की शोभा देखते ही बन रही थी।

जिला प्रशासन ने सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष प्रबंध किया था। सभी प्रमुख घाटों पर पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मियों और गोताखोरों की टीमों की तैनाती की गई थी। घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और चिकित्सा सहायता की उत्कृष्ट व्यवस्था ने पर्व को सुचारू बनाया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने 36 घंटे के कठोर निर्जला उपवास का समापन पारण के साथ किया। इसके साथ ही श्रद्धा, संयम और तपस्या से परिपूर्ण यह महानुष्ठान शांतिपूर्वक संपन्न हो गया।

चार दिनों तक चले इस पावन पर्व ने पूरे खूंटी जिले को आस्था और भक्ति के अनूठे रंग में रंग दिया, जिसने सामुदायिक सद्भाव और सांस्कृतिक एकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया।

झारखंड के चार जिलों में खुलेंगे नए मेडिकल कॉलेज

रांची : झारखंड को केंद्र सरकार की ओर से एक बड़ी सौगात मिली है। भारत सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर राज्य में चार नए मेडिकल कॉलेज खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

यह मंजूरी वित्तीय मामलों के विभाग की बैठक में दी गई, जिसमें झारखंड सरकार की ओर से स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने प्रस्तुति दी।

नए मेडिकल कॉलेज खूंटी, जामताड़ा, धनबाद और गिरिडीह जिलों में स्थापित किए जाएंगे। खूंटी में 50, जबकि अन्य तीन जिलों में 100-100 एमबीबीएस सीटें होंगी।

पीपीपी मॉडल के तहत केंद्र सरकार पूंजीगत व्यय में 40% और परिचालन व्यय में 25% सहायता देगी, जबकि राज्य सरकार 25% से 40% तक पूंजीगत तथा 15% से 25% तक परिचालन व्यय वहन करेगी।

इन कॉलेजों की स्थापना से राज्य में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार होगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि यह झारखंड के लिए ऐतिहासिक कदम है। पीपीपी मॉडल पर नए मेडिकल कॉलेज खुलने से ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ेगी और स्वास्थ्य व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

'चक्रवात मौंथा' की आहट से मचा हड़कंप सरकार हाई अलर्ट पर ,मंत्री ने दिए सख्त निर्देश

संवाददाता

रांचीः राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे 'मौंथा' चक्रवात को देखते हुए झारखण्ड के सभी जिलों के उपायुक्तों को सतकर्ता एवं आवश्यक तैयारी के निर्देश जारी किए हैं।

झारखंड में तेज हवाएँ, भारी वर्षा की चेतावनी : मंत्री ने कहा कि मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार यह चक्रवात एक गंभीर ट्रॉपिकल तूफान के रूप में विकसित हो सकता है, जिसके प्रभाव से झारखण्ड के दक्षिणी एवं मध्य हिस्सों में तेज हवाएँ, भारी वर्षा एवं बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने की संभावना जताई गई है। उन्होंने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि स्थिति से निपटने के लिए तत्काल और प्रभावी कदम उठाए जाएं।

मंत्री इरफान अंसारी ने दिए सख्त निर्देशः मंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की आपात बैठक आयोजित कर सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड में रखा जाए। एनडीआरएफ/एसडीआरएफ टीमों को संभावित प्रभावित क्षेत्रों में तैनात रखा जाए। निचले एवं जलभराव वाले इलाकों की पहचान कर वहाँ के लोगों को सुरक्षित स्थलों पर स्थानांतरित करने की योजना बनाई जाए। बिजली आपूर्ति, संचार व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त एवं सक्रिय रखा जाए। सभी बीडीओ और थानाध्यक्षों को चौबीसों घंटे निगरानी और रिस्पॉन्स के लिए निर्देशित किया गया है। जनसंपर्क पदाधिकारियों के माध्यम से जन-जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को सतर्क किया जाए कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन के निदेर्शों का पालन करें।

जनता सतर्क रहें व अफवाहों से बचें , मंत्री इरफान अंसारी ने की अपील : मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। सभी उपायुक्तों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि हर स्तर पर तैयारी पूरी रखी जाए ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि या क्षति को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि जिलों द्वारा की गई तैयारियों और उठाए गए कदमों की रिपोर्ट तत्काल आपदा प्रबंधन विभाग को उपलब्ध कराई जाए। डॉ। अंसारी ने जनता से भी अपील की है कि वे सतर्क रहें, अफवाहों से बचें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन के निदेर्शों का पालन करें।

चक्रवाती तूफान मोंथा से फसलों की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने जारी की सलाह

रांची : जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे चक्रवाती तूफान मोंथा के असर को देखते हुए सतर्क रहें और फसलों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएं।

मौसम विभाग के अनुसार, यह तूफान 28 से 31 अक्टूबर तक झारखंड में भारी बारिश और तेज हवाएं (60 से 110 किमी प्रति घंटा) ला सकता है। इससे धान, सब्जी और अन्य खरीफ फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

किसानों के लिए प्रशासन की मुख्य सलाह : 1। जो फसलें (धान, मक्का आदि) कटाई के लिए तैयार हैं, उन्हें काटकर सुरक्षित जगह पर रखें। गिरी हुई फसल को प्लास्टिक शीट या तिरपाल से ढक दें ताकि बारिश से खराब न हो।

2। सब्जी वाली फसलों को सहारा दें ताकि तेज हवा में न गिरे। नदी या नाले के पास की फसलों पर खास ध्यान रखें। पॉलीहाउस और नेट हाउस को मजबूत करें।

3। पशुओं को सुरक्षित जगह पर रखें और चारे का इंतजाम करें। ट्रैक्टर, पंप और मशीनों को ऊंचे स्थान पर रखें।

4। फिलहाल सब्जियों की बुआई रोक दें। अगर आलू की बुआई हो चुकी है, तो खेतों में पानी जमा न हो इसके लिए रास्ता बनाएं।

राहत और सहायता: जिले के वे किसान जो प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़े हैं, वे फसल नुकसान की सूचना फोटो या वीडियो प्रमाण के साथ विभाग को दें। शिकायत या बीमा दावा करने के लिए टॉल फ्री नंबर 14447 पर संपर्क करें।

तालाब में डूबने से चार लड़कियों की मौत छठ पूजा के बाद गई थीं कपड़ा धोने

हजारीबाग: जिले में चार बच्चियों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। यह घटना कटकमसांडी के शाहपुर पंचायत अंतर्गत झारदाग गांव की है। गांव में शोक की लहर है। चारों मासूम बच्चियां एक ही परिवार की हैं। यह घटना दोपहर में छठ पूजा के बाद हुई। पूरा गांव शोक में डूबा हुआ है। परिवार के सदस्य गमगीन हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। शवों को पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, छठ पूजा के बाद बच्चियां अपने घर से कपड़े धोने तालाब पर गई थीं। कपड़े धोते समय उनमें से

एक बच्ची तालाब में गिर गई। उसे बचाने की कोशिश में, एक-एक करके चारों लड़कियां गहरी खाई में गिर गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में रिंकी कुमारी (16 वर्ष), पूजा कुमारी (20), साक्षी कुमार (16) और रिया कुमारी (14) शामिल हैं।

हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने घटना पर दुख व्यक्त किया और मृतक लड़कियों के परिवारों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने घटना के संबंध में जिला उपायुक्त से बात की है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से प्रत्येक मृतक के परिवारों को 4 लाख की तत्काल सहायता प्रदान करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। वह यह सुनिश्चित करते रहेंगे कि प्रभावित परिवारों को समय पर सभी आवश्यक सहायता मिले।

सदर विधायक प्रदीप प्रसाद भी घटनास्थल पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों को सांत्वना दी। उन्होंने स्वयं चारों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही दुखद घटना है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा प्रभावित परिवार के साथ खड़े रहेंगे और हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने लोगों से अपने बच्चों पर विशेष ध्यान देने और उन्हें नदियों और तालाबों में नहाने या कपड़े धोने से रोकने का भी आग्रह किया।

वेल्डिंग दुकानदार की बेरहमी से हत्या खौफनाक वारदात से दहला इलाका

पलामू : जिले में सोमवार देर रात अपराधियों ने एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। यहां अज्ञात बदमाशों ने 42 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर हत्या कर दी।

गर्दन और सिर पर वार कर की गई हत्याः मिली जानकारी के अनुसार, घटना हरिहरगंज थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान इसी इलाके के सतगवां मोहल्ला निवासी जसुमुद्दीन अंसारी (42) के रूप में हुई है। उसकी वेल्डिंग की दुकान थी। हरिहरगंज थाने के उपनिरीक्षक संतोष कुमार ने कहा, अपने कार्यस्थल से घर जाते समय सोमवार शाम उसकी (अंसारी की) हत्या कर दी गई। बदमाशों ने ब्लॉक कार्यालय के पास हथियारों से उस पर हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके गर्दन और सिर पर वार किया गया।''

उपनिरीक्षक ने बताया कि अंसारी को प्राथमिक इलाज के लिए एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और वहां से चिकित्सकों ने उसे बिहार के औरंगाबाद ज़िले के एक नजदीकी अस्पताल में रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में फिलहाल किसी की गिरफ़्तारी नहीं हुई है। अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और घटनास्थल से अंसारी की मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

सड़क दुर्घटना में भाई-बहन की मौत, मचा हाहाकार

पलामू : जिले में मंगलवार को एक दिल दहलाने वाला सड़क हादसा हुआ। यहां दो बाइक की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में भाई-बहन की दर्दनाक मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में जगतपुरवा-बेदानी मुख्य सड़क पर कमलकेडिया गांव की है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि दो बाइक तेज गति से आ रही थी। तभी दोनों की आपस में जोरदार भिड़त हो गई। वहीं इस हादसे में एक बाइक पर सवार भाई-बहन की मौके पर ही जान चली गई। जबकि दूसरी बाइक पर सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं दोनों बच्चों की मौत की खबर सुनते ही परिजन गहरे सदमे में है।

आईआरबी जवान पर ताबड़तोड़ फायरिंग , मौत, छठ मनाने आ रहा था घर

बोकारोः जिले में मामूली विवाद को लेकर एक व्यक्ति ने 'इंडियन रिजर्व बटालियन' (आईआरबी) के एक जवान की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

छठ मनाने घर आ रहा था जवानः पीड़ित जवान की पहचान चास थाना क्षेत्र के अंतर्गत आदर्श कॉलोनी स्थित यदुवंश नगर निवासी अजय यादव (25) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरिडीह जिले में तैनात यादव छठ पूजा की छुट्टी पर अपने गृह क्षेत्र चास जा रहे थे और सोमवार शाम यह घटना हुई।

जवान को मारी तीन गोलियांः चास के अनुमंडली पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) प्रवीण कुमार सिंह ने कहा, किसी मुद्दे को लेकर जवान और बलराम तिवारी नाम के युवक के बीच बहस हो गई और इसके बाद उनमें हाथापाई हुई। बलराम पहले घटनास्थल से चला गया और कुछ देर बाद वह पिस्तौल लेकर लौटा तथा जवान को तीन गोलियां मार दी।'' उन्होंने बताया कि यादव को बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसडीपीओ ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी और उसके साथियों को पकड़ने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ महापर्व छठ संपन्न

संवाददाता

रांचीः उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही पवित्रता व लोक आस्था का चार दिवसीय कार्तिकी महापर्व छठ मंगलवार को सम्पन्न हो गया। इस छठ महापर्व के अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी, भारतीय जनता मजदूर संघ प्रदेश महासचि सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने बताया कि राजधानी रांची रातु क्षेत्र के सिमलिया में हर्षोल्लास के साथ छठ महापर्व मनाया गया। श्री सिंह ने भगवान भाष्कर व छठी मईया से लोगों के सुख, समृद्धि, शांति व प्रगति की कामना करते हुए कहा कि छठी मईया सभी श्रद्धालुओं व राष्ट्र प्रेमियों का कल्याण करें, व सुख, समृद्धि, शांति व प्रगति का मार्ग प्रशस्त करें। उन्होंने कहा कि शनिवार को नहाय-खाय से शुरू हुआ छठ महापर्व मंगलवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि चार दिवसीय छठ

महापर्व के दूसरे दिन छठव्रतियों द्वारा खरना पर परिजनों के साथ कुलदेवता का पूजन कर व्रत का संकल्प लिया जाता है। सुबह स्नान के बाद छठव्रतियों द्वारा छठ मईया की पूजा की जाती है तथा

शाम में खरना के लिए जलावन के रूप में आम की लकड़ियां इस्तेमाल की जाती है। जिस पर गुड़ की खीर और रोटी के रूप में प्रसाद तैयार किया जाता है। सुनील सिंह ने कहा कि छठ पूजा सूर्य, उषा, प्रकृति, जल, वायु और उनकी बहन छठी मईया को समर्पित की जाती है। छठ पूजा में कोई भी मूर्ति पूजा शामिल नहीं होता है। इस पर्व के अनुष्ठान काफी कठिन होते हैं और चार दिनों की अवधि में मनाये जाते हैं। इनमें पवित्र स्नान, उपवास और निर्जल रहना, लंबे समय तक जलाशय में रहना, प्रार्थना प्रसाद अर्घ्य देना शामिल है।कहा की इस पर्व में ऊंचझ नीच, अमीर- गरीब सभी एक साथ शामिल होते हैं, किसी के साथ किसी भी तरह की भेदभाव नहीं किया जाता है। सभी एक समान होते हैं और इस छठ महापर्व को उत्सव के साथ मनाते हैं। जिससे समाज में एकजुटता बढ़ती है और एकता कायम होती है। इस शुभ घड़ी के मौके पर घाट पर छठवर्ती संजू झा, उर्मिला देवी, व अन्य छठवर्ती के साथ समाजसेवी रूबी सिंह, पुष्पा झा, अनीता झा, गुड़िया रानी झा, मनोज झा, राहुल झा, पंकज सिंह,खुसियाल साव , विनोद गुप्ता, पल्लवी झा, दीक्षा, साक्षी, कृष्णा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

चक्रवाती तूफान मोंथा का असर

रांची सहित राज्य के कई इलाकों में हो रही बारिश

संवाददाता

रांची : चक्रवाती तूफान मोंथा का प्रभाव झारखंड में भी दिखने लगा है। बुधवार सुबह से ही झारखंड की राजधानी रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला और पश्चिमी सिंहभूम में बारिश हो रही है। झारखंड में मोंथा का प्रभाव 28 अक्टूबर से ही दिखने लगा था और दोपहर बाद से प्रदेश में बारिश शुरू हो गई थी। मौसम विभाग के अनुसार मोंथा का प्रभाव झारखंड में 31 अक्टूबर तक दिखेगा और कई जिलों में बारिश होगी।

कमजोर पड़ा चक्रवाती तूफान मोंथा

चक्रवाती तूफान मोंथा 28 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के तट से टकराने के बाद लगातार कमजोर पड़ रहा है और उत्तर-पश्चिम की

दिशा में आगे बढ़ रहा है। अगले 6 घंटों में यह तूफान डीप डिप्रेशन में बदल जाएगा। इसके प्रभाव से झारखंड की राजधानी रांची, खूंटी, गुमला, पश्चिमी सिंहभूम, लोहरदगा और लातेहार में बारिश होगी। कहीं-कहीं भारी बारिश की भी आशंका मौसम विभाग ने जताई है। इन जिलों के लिए आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया है। मोंथा के प्रभाव से पूरे प्रदेश में ही बारिश की संभावना मौसम विभाग ने जतायी है। राज्य के उत्तर पूर्वी और दक्षिण-पश्चिम इलाके में कहीं-कहीं भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने पूवार्नुमान में बताया है कि 30 तारीख को भी प्रदेश के उत्तर-पूर्वी और मध्य भागों में बारिश होगी।

रांची में रूक-रूक कर हो रही बारिश

चक्रवाती तूफान मोंथा की वजह से राजधानी रांची में बुधवार सुबह से ही रूक-रूककर बारिश हो रही है। घने बादल छाया हुए हैं और बारिश दिन भर होने की आशंका है। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। संभव है कि बुधवार को न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी। 30 अक्टूबर को भी रांची में मध्यम दर्जे की बारिश होने और बादल छाए रहने की आशंका है।

लोअर बाजार से भारी मात्रा में प्रतिबंधित मांस बरामद

रांचीः रांची में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लोअर बाजार थाना क्षेत्र से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पशु का मांस बरामद किया है। इस कार्रवाई में मांस से भरे दो ट्रक को पकड़ा गया, जिसमें एक बड़ा और एक छोटा ट्रक जब्त किया गया है। पुलिस को बुधवार को सूचना मिली थी कि लोअर बाजार थाना क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित पशु का मांस लाया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने तत्काल छापेमारी करते हुए प्रतिबंधित मांस को मौके पर ही पकड़ लिया। मांस की बरामदगी के बाद पुलिस अब इस अवैध कारोबार में शामिल लोगों की पहचान करने और उनकी गिरफ्तारी में जुट गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है ताकि इस धंधे के पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके। गौरतलब है कि झारखंड राज्य में 2005 से ही गोवंश की हत्या और उसके मांस के व्यापार पर प्रतिबंध है। यह प्रतिबंध 'झारखंड गौवंशीय पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम 2005' के तहत लागू है।

बी न्यूज के संपादक विनय मिश्रा हुए सम्मानित

ज्योति पाठक

चक्रधरपुरः झारखंड के वरीय पत्रकार एवं बीएम न्यूज से संपादक विनय मिश्रा को सेंट्रल पार्क होटल में 1987 मे मैट्रिक पास करने वाले छात्रों के द्वारा आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर साउथ ईस्टर्न रेलवे इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल में 1987 में सामूहिक रूप से उत्तीर्ण होने वाले छात्रगण 37 वर्षों के पश्चात सेंट्रल पार्क होटल में एकत्रित होकर इतिहास रचा तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में योगदान देने वाले विनय मिश्रा को शाल ओढ़ा कर तथा प्रत्तीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया । इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सह संपादक विनय मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता वह माध्यम है जो लोगों को दिशा और दशा दोनों देने का काम करती है। अपने कर्तव्य और जवाब देही का निर्वहन बेहतर ढंग से करने का ही या परिणाम है कि उन्होंने अपने पत्रकारिता जीवन में हमेशा सकारात्मक कार्यों को आगे बढ़ाया और जो दिखा वही लिखा इसलिए हमें यह प्रयास करना चाहिए कि जन आकांक्षा के अनुरूप बातों को सकारात्मक रूप से लोगों के सामने लाया जाए जिससे कि मीडिया के प्रति जो विश्वास और भावनात्मक लगाव है वह चरितार्थ साबित हो । उन्होंने विशेष कर साउथ ईस्टर्न रेलवे इंग्लिश मीडियम स्कूल के इन होनहार छात्रों की सराहना भी की और उनके इस मिलन समारोह कार्यक्रम को काफी सहारा।

आरपीएफ का सराहनीय कार्य

यात्री को उसका खोया सामान सुरक्षित लौटाया

संवाददाता

रांची/ लाहरदगाः कमांडेंट पवन कुमार के नेतृत्व में आरपीएफ टीम ने अपनी सतर्कता और तत्परता का परिचय देते हुए एक यात्री का खोया हुआ सामान सुरक्षित रूप से वापस लौटाया। दिनांक 28।10।2025 को यात्री रंजन उरांव, उम्र लगभग 18 वर्ष, पिता राम उरांव, निवासी ग्राम सकवार, थाना लातेहार, जिला लातेहार (झारखंड) ट्रेन संख्या 18636 सासाराम- रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे थे, लोहरदगा स्टेशन पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उनका बैग, जिसमें आवश्यक दस्तावेज, कपड़े और मोबाइल चार्जर (पावर बैंक) था, ट्रेन में

ही छूट गया है। सूचना मिलते ही आरपीएफ पोस्ट लोहरदगा के अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एस्कॉर्ट पार्टी को सूचित किया। त्वरित प्रयास से उक्त बैग को उसी ट्रेन से बरामद कर लिया गया। आवश्यक सत्यापन के बाद बैग को सुरक्षित रूप से यात्री रंजन उरांव को सुपुर्द किया गया। यात्री ने आरपीएफ लोहरदगा की ईमानदारी, संवेदनशीलता और तत्परता की प्रशंसा करते हुए हार्दिक धन्यवाद दिया। इस कार्य में उप निरीक्षक अजीत कुमार, स्टाफ अभिमन्यु राय और विनोद कुमार यादव की भूमिका सराहनीय रही।रांची मंडल अंतर्गत बानो सेक्शन के कानरवा स्टेशन पर आज 10 बजे दिन में एक मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है जिससे सभी गाड़ियों का परिचालन बाधित हो गई है।

दो साइबर ठग गिरफ्तार

इटकीः हरियाणा पुलिस ने साइबर फ्रॉड मामले में इटकी से दो अभियुक्त को सोमवार को अल सुबह गिरफ्तार कर करनाल ले गयी। हरियाणा व इटकी पुलिस ने संयुक्त रूप से छापामारी कर मो सलीमुद्दीन उर्फ सलीम एलआइसी को मौसीबाड़ी स्थित घर से और मो सकेब को मदरसा मोहल्ला स्थित उसके मकान से गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार मामला करनाल साइबर थाना कांड संख्या 135/25, दिनांक 1 सितंबर 2025 से जुड़ा है। जिसमें करीब 59 लाख रुपये के साइबर फ्रॉड का आरोप है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी कई फर्जी कॉरपोरेट अकाउंट बनाकर देशभर के विभिन्न हिस्सों से मोटी रकम मंगवाते थे। बाद में वह रकम गिरोह के अन्य सदस्यों के बीच बांटी जाती थी। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ है। पुलिस अन्य सदस्यों की तलाश और लेन-देन की जांच कर रही है।

हटिया-राउरकेला रेलखंड पर मालगाड़ी हुई बेपटरी,10 बोगियां हुई डिरेल

संवाददाता

रांचीः सिमडेगा जिले में बुधवार को एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। हटिया-राउरकेला रेलखंड के कानारोवां रेलवे स्टेशन के पास मालगाड़ी पटरी से उतर गई। यह हादसा कानारोआ स्टेशन के बीच पोल संख्या 524/34 और 524/35 के बीच घाटी क्षेत्र में हुआ। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि अप और डाउन दोनों ही रेल लाइनें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

मिली जानकारी के अनुसार, कुल 10 बोगियां बेपटरी हो गईं,जिससे ट्रैक के दोनों ओर ट्रेनों की आवाजाही बाधित हो गई है। हादसे के बाद रेलवे की राहत एवं बचाव टीम मौके पर पहुंच चुकी है और लाइन को बहाल करने का काम युद्धस्तर पर जारी है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि हादसे के कारणों

की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। फिलहाल किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन भारी माल लदी बोगियों के पटरी से उतरने से ट्रैक को गंभीर नुकसान पहुंचा है। दुर्घटना के कारण इस रूट से गुजरने वाली कई यात्री और मालगाड़ियाँ रोकी या डायवर्ट की गई हैं। स्थानीय प्रशासन और रेलवे अधिकारी लगातार मौके की निगरानी कर रहे हैं। अनुमान है कि ट्रैक मरम्मत और यातायात बहाली में कई घंटे लग सकते हैं। रांची रेल मंडल की प्रबंधक करुणा निधि सिंह ने घटनास्थल पहुंचकर जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिया है।

जेएसएससी- सीजीएल पेपर लीक मामले पर बाबूलाल मरांडी का आरोप, कहा-

आवाज उठाने वालों को गिरफ्तार कर रही सरकार

संवाददाता

रांचीः जेएसएससी- सीजीएल पेपर लीक मामले में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीआईडी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि इस मामले में किंगपिन को राज्य सरकार बचा रही है और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को गिरफ्तार किया जा रहा है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जेएसएससी- सीजीएल पेपर लीक प्रकरण को संतोष कुमार मस्ताना, प्रशाखा पदाधिकारी सचिवालय सेवा ने मुखरता से उठाया था। उन्होंने कई सबूत भी दिए थे लेकिन आश्चर्य की बात है कि

सीआईडी ने उन्हीं को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही पेपर लीक की इस लड़ाई को सड़क से कोर्ट तक ले जाने वाले शिक्षक को सीआईडी की ओर से बार-बार नोटिस दिया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया है कि सीआईडी के स्तर पर पेपर लिक से जुड़े सारे तथ्य और सबूत मिटाए जा रहे हैं। साथ ही गवाहों को डरा धमका कर बयान को बदला जा रहा है। उनका आरोप है कि सब कुछ सरकार के इशारे पर हो रहा है।

हाईकोर्ट में होनी है मामले की सुनवाईः बाबूलाल मरांडी ने कहा कि 29 अक्टूबर को केस की हाई कोर्ट में सुनवाई है। इधर, आज गिरफ्तार किया जा रहा है। शुरूआत में आयोग ने कहा था कि सारे सबूत से छेड़छाड़ किया गया है। उसके बाद ऋछ रिपोर्ट से स्पष्ट है कि किसी भी मोबाइल में किसी प्रकार का कोई छेड़छाड़ नहीं है। छात्रों ने नेपाल में पेपर लीक का कनेक्शन बताया था। बाद में उक्ळ ने खुद स्वीकार किया कि नेपाल 28 लोग गए थे और उसमें से बहुत सारे छात्र पास भी किए।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सबूत के तौर पर दिए गए मोबाइल में मिले अधिकतर प्रश्नों के उत्तर का मिलान भी सही पाया गया पर अब सीआईडी कोर्ट में इसे महज गेस क्वेश्चन साबित करने कर तुली है। हर तथ्य को शुरू से तोड़ मरोड़ के पेश किया जा रहा है। शुरूआत से ही इस से स्पष्ट है कि इस पेपर लीक प्रकरण में किंगपिन को बचाकर सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को गिरफ्तार कर उनकी आवाज को दबाना चाहती है।

ट्रेनों में उमड़ने लगी वापस लौटने वालों की भीड़

रांची/धनबादः महापर्व छठ मंगलवार को संपन्न हो गया। इसके साथ ही ट्रेनों में एक बार फिर से भीड़ होने लगी है। धनबाद से नई दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, चंडीगढ़ समेत अन्य स्टेशनों के लिए चलने वाली ट्रेनों में सीट उपलब्ध नहीं है। वहीं जनरल कोच में पैर रखने तक की जगह नहीं मिल पा रही है। मंगलवार की शाम में धनबाद से रवाना हुई धनबाद-एलेप्पी एक्सप्रेस का जनरल कोच भरा हुआ था। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर आते ही जनरल कोच फुल हो गया। वहीं धनबाद से नई दिल्ली जाने वाली स्पेशल ट्रेनों से लेकर अन्य स्थायी ट्रेनों तक में सीट उपलब्ध नहीं है।

ट्रेनों में सीट मिलना मुश्किल : धनबाद स्टेशन होकर नयी दिल्ली जाने वाली दोनों राजधानी में नो-रूम है। ट्रेन संख्या 12301 हावड़ा- नई दिल्ली राजधानी में

सेकेंड एसी में 30 अक्तूबर से तीन नवंबर तक नो रूम है। थर्ड एसी व फस्ट एसी में अलग-अलग दिनों में नो रूम व वेटिंग की स्थिति है। वहीं सियालदह राजधानी में थर्ड एसी में एक नवंबर तक, सेकेंड व फस्ट एसी में दो नवंबर तक नो रूम है। दूसरी ट्रेनों का भी बुरा हाल है। धनबाद होकर नयी दिल्ली के लिए मंगलवार को चली चार स्पेशल ट्रेनें में सीट खाली नहीं थी।

मुंबई मेल में जगह नहीं, स्पेशल ट्रेन भी फुल : मुंबई जाने वाली ट्रेनों का भी बुरा हाल है। 12321 मुंबई मेल में लंबी वेटिंग चल रही है। दो नवंबर तक नो-रूम है। मंगलवार की रात में धनबाद से एलटीटी के लिए प्रस्थान ट्रेन संख्या 03379 धनबाद-एलटीटी स्पेशल में भी लंबी वेटिंग थी। रात में ट्रेन के पहुंचने पर उसमें सवार होने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। धनबाद स्टेशन से सूरत के लिए चलने वाली ट्रेन संख्या 13425 मालदा टाउन-सूरत एक्सप्रेस में आठ नवंबर तक में नो-रूम है। शनिवार को धनबाद से प्रस्थान करने वाली धनबाद-उधना स्पेशल में 16 नवंबर तक वेटिंग है।हरियाणा पुलिस ने दो साइबर फ्रॉड को किया गिरफ्तार

ट्रक से बैट्री चोरी कर भाग रहे दो चोर पकड़ाये

रातूः थाना क्षेत्र के दलादली स्थित रिंग रोड में खड़े हाइवा ट्रक की बैट्री चुराकर भाग रहे दो चोरों को ग्रामीणों ने पकड़कर जमकर पीटाई की। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गये आरोपियों में पंडरा थाना क्षेत्र के फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी भगवान प्रसाद का पुत्र मनदीप कुमार व आईटीआई कॉलोनी बाजरा निवासी सुनील वर्मा का पुत्र श्रेयांस कुमार शामिल हैं। मामले को लेकर ट्रक के चालक कुड्डू, लोहरदगा निवासी मुशर्रफ अंसारी ने दोनों चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी है। जानकारी के अनुसार चालक 26 अक्तूबर की दोपहर अपने ट्रक को खड़ा कर बगल के ही चौधरी होटल में पैसा लेने गया था। जब लौटा तो देखा दो चोर बैट्री चुराकर स्कूटी से भाग रहे हैं। इसके बाद वह शोर मचाने लगा और स्थानीय लोगों के सहयोग से दोनों चोरों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने बैट्री और स्कूटी को जब्त कर दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

आरसीएम की रूपांतरण यात्रा पहुंची धनबाद

मिला उत्साही जनसमर्थन, कई कार्यक्रमों का आयोजन

संवाददाता

धनबादः आरसीएम की रूपांतरण यात्रा के धनबाद पड़ाव में युवाओं, महिलाओं और नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में रक्तदान शिविर, योग सत्र और सामाजिक जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

आयोजन का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार के तीन मूल मंत्रों से जोड़ना था। प्रतिभागियों ने जिम्मेदार नागरिक बनने और समाजसेवा का संकल्प लिया।

आरसीएम के प्रतिनिधियों ने बताया कि धनबाद में मिला उत्साहजनक प्रतिसाद झारखंड की सामाजिक जागरूकता और सहभागिता की मिसाल है। कार्यक्रम के दौरान मनसा वाचा कर्मणा एक कर्मयोगी की जीवनी पुस्तक का भी लोकार्पण किया गया। रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और इसे आत्मसंतोष का अनुभव बताया। कार्यक्रम का समापन जन-जागरूकता रैली से हुआ, जिसने सेवा, स्वास्थ्य और संस्कार का संदेश फैलाया।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई–निविदा सूचना
भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से उप मुख्य बिजली इन्जीनियर (निर्माण II) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के अधीन निम्नलिखित कार्यों के लिये दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** Tender No EL/C/JP/SNGN/T05/25-26, उत्तर पश्चिम रेलवे के सांगानेर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का विद्युत कार्य, **कार्य की अनुमानित लागत,** Rs. 93566358.00, **बयाना राशि जो जमा करनी है:** Rs. 617800.00, **निविदा प्रपत्र जमा कराने की तारीख व समय:** 19.11.2025 Upto 15-00 Hrs., **निविदा खुलने की तारीख व समय:** 19.11.2025 at 15.30 Hrs., **उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वैबसाइट का पता:** www.ireps.gov.in
1369-PS/25
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

एक नायाब साल

पहली नजर में बड़े पद की चमक-दमक का अपना सम्मोहन होता है, लेकिन हकीकत में जिम्मेदारी-जवाबदेही व विपरीत चुनौतियों में सामंजस्य बैठाना कांटों का ताज पहनने जैसा ही होता है। अंतहीन जन-अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना उतना ही कठिन होता है। वैसे किसी सत्ता का एक साल बहुत लंबी अवधि नहीं होती। उसके आधार पर अंतिम मूल्यांकन करना भी जल्दबाजी ही कही जाएगी, लेकिन इससे किसी नेतृत्व या सरकार की दिशा-दशा को बोध तो हो जाता है। कमोबेश, यह कसौटी हरियाणा में एक साल पूरा कर रही नायब सैनी सरकार के लिये भी है। सामाजिक न्याय के समीकरण संतुलन की कवायद के क्रम में भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने वाले नायब सैनी की इस पद पर ताजपोशी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद रही है। जब नरेंद्र मोदी चंडीगढ़-हरियाणा में संगठन का दायित्व निभा रहे थे, तो सैनी उनके कार्यालय सहयोगी थे। इस मायने में बिना राजनीतिक व समृद्ध आर्थिक पृष्ठभूमि के राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने को एक बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी सदाबहार मुस्कान-विनोदप्रियता के कायल रहे हैं। वे विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को सम्मान सार्वजनिक रूप से देते नजर आते हैं, लेकिन पिछले विधानसभा सत्र में मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेने से भी वे नहीं चूके। वैसे तो उनके एक साल के कार्यकाल में कई चुनौतियां सामने आती-जाती रही हैं, लेकिन हाल ही में एडीजीपी वाई.पूरन कुमार व एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या ने सरकार के सामने असहज स्थिति व बड़ी चुनौती पेश की। हालांकि, देर से ही सही फौरी तौर पर मामले का पटाक्षेप हुआ, लेकिन इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुद्दे की संवेदनशीलता को महसूस कर कदम बढ़ाए। एडीजीपी द्वारा आत्महत्या की खबर उन्हें जापान दौरे के दौरान मिली तो उन्होंने दौरे में शामिल उनकी पत्नी अमनीत को अधिकारियों के साथ तुरंत भारत भेजा। भारत आते ही खुद भी वे सीधे एडीजीपी के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे, तो एएसआई संदीप लाठर के घर भी परिवार को संबल देने गए। बहरहाल, ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ नायब सैनी को जरूर मिला है। कई विकास योजनाएं कायदे से सिरे चढ़ी हैं। लेकिन लाडो लक्ष्मी योजना ट्रंप कार्ड साबित हुई है। विधानसभा चुनावों में इस योजना के वायदे का छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र चुनावों की तर्ज पर हरियाणा में भी भाजपा को खासा लाभ मिला। मिले परिणामों ने तमाम कयासों को निरर्थक साबित किया। हर जरूरतमंद महिला को सरकार की तरफ से 21 सौ रुपये मिलना, उन्हें आर्थिक स्वावलंबन देना ही है। पहले चरण में बाइस लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, कमजोर वर्ग के लोगों के लिये अपनी छत का सपना पूरा करना एक दुष्कर कार्य है। हरियाणा सरकार ने दस हजार से अधिक आबादी वाले महाग्रामों में गरीबों को पचास-पचास गज व छोटे गांवों में सौ-सौ गज के प्लाट उपलब्ध कराये। शहरों में ये 25 गज के रहे। वहीं प्रधानमंत्री आवास निर्माण योजना के तहत मिलने वाले ढाई-ढाई लाख रुपये ने उनके घर के सपने को हकीकत बनाया। मुख्यमंत्री नायब सैनी की खासियत लोगों के साथ सहज उपलब्धता है। उनकी सुबह कबीर कुटीर में जन संवाद से शुरू होती है और रात फाइलों के साथ खत्म होती है। जनता के लिये सहज उपलब्धता और निरंतर संवाद लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त होती है। उनके चंडीगढ़ आवास में सुबह से ही मिलने वाले लोगों का तांता लगा रहता है। निस्संदेह, आम जन ही सरकार को बेहतर फीडबैक दे सकते हैं, जो नौकरशाही की जटिलताओं के चलते सहज अभिव्यक्ति नहीं दे पाते। बेरोजगारी की समस्या किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। राज्य में चौबीस हजार बेरोजगारों को ग्रुप सी की नौकरियां देना राज्य सरकार की उपलब्धि के तौर पर देखा गया। वहीं लोकसेवा आयोग के माध्यम से 1311 पदों पर चयन और एचकेआरएन पोर्टल को पारदर्शी भर्ती प्रणाली के रूप में विकसित करना, राज्य सरकार की रोजगार के साथ स्थायित्व की नीति का संकेत माना जा सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि नायब सरकार आने वाले चार सालों में जनाकांक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह खरी उतर पाएगी।

तेल प्रतिबंध में अवसर

सत्ता में आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप भारत पर चारों तरफ से जिस तरह से दबाव बनाते रहे हैं, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। एक ही मुद्दे पर उनकी नीति चीन-पाकिस्तान व भारत को लेकर अलग-अलग होती है। उनके हालिया कदमों से भारतीय विदेश नीति असहजता के दौर से गुजर रही है। ट्रंप की भारत को मुश्किल में डालने की तमाम घोषणाएं, अब चाहे मनमाना टैरिफ थोपना हो या भारतीय प्रतिभाओं व नागरिकों पर तरह-तरह की बंदिशे लगाना हो, भारतीय जनमानस में नाराजगी का सबब बनती रही हैं। जानकार मानते हैं कि ट्रंप ये दबाव अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ व्यापार समझौते पर भारत को झुकाने के लिये बना रहे हैं। पाकिस्तान के साथ दरियादिली को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। अब इसी कड़ी में रूस से आने वाला सस्ता तेल बंद करवाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बनी है। भारत कहता रहा है कि वह अपने 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरतों को अपने बजट में लाने हेतु रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है, जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन भारत की सॉफ्ट विदेश नीति पर दबाव बनाने हेतु ट्रंप प्रशासन कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी कड़ी में रूसी तेल के दो सबसे बड़े आपूर्तिकताओं रोसनेफ्ट और लुकोइल, पर अमेरिकी कड़े प्रतिबंध भारत को की जाने वाली रूसी तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। संभव है कि भारत के क्रूड ऑयल खरीदने के विकल्प इन प्रतिबंधों से सीमित हो सकते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह कदम अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा दूर करने वाला कारक भी साबित हो सकता है। कुछ जानकार राष्ट्रपति ट्रंप की यह घोषणा, रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये रुकी हुई वाताओं को लेकर बढ़ती निराशा से उपजी बता रहे हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद, भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का दूसरा बड़ा खरीददार रहा है। वहीं दूसरी ओर वाशिंगटन प्रशासन का आरोप रहा है कि तेल कंपनियां क्रेमलिन की युद्ध मशीन को वित्तपोषित करने में मदद कर रही हैं। ट्रंप और उनके टीम के सदस्य कई बार भारत पर रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने के बेतुके आरोप भी लगाते रहे हैं। जिसके चलते ट्रंप प्रशासन ने रूसी कच्चे तेल का आयात करने पर प्रतिशोध के चलते भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क भी लगाया था। भारत सरकार के लिये यह श्रेय की बात है कि वह रूसी तेल खरीद रोकने के दबाव का दृढ़ता से विरोध करती रही है। भारत सरकार का कहना है कि उसकी प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। निस्संदेह, भारत को अब एक और कठिन संतुलन साधने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मौजूदा चुनौतियों के बीच यदि एक सुनियोजित पुनर्निधारण की आवश्यकता है, तो ऐसा करना चाहिए। वैसे भारी दबाव के बाद भी मोदी सरकार ने ट्रंप सरकार के बार-बार दिए गए उस बयान से खुद को अलग कर लिया है कि वह रूसी तेल आयात में भारी कमी लाएगी। लेकिन अब नये प्रतिबंधों का पालन करने के लिये भारतीय रिफाइनरियों के लिये अल्पावधि में रूसी तेल सौदों से पीछे हटना निश्चित प्रतीत होने लगा है।

एआई और डीपफेक की चुनौती: नवाचार रोके बिना जवाबदेही कैसे सुनिश्चित करें

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में, जहाँ सोशल मीडिया का प्रभाव करोड़ों नागरिकों तक है, डीपफेक का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। कुछ सेकंड का झूठा वीडियो समाज में अविश्वास, नफरत या भ्रम फैला सकता है। यह केवल नैतिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बनता जा रहा है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज के युग की सबसे प्रभावशाली और परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक बन चुकी है। यह हमारे जीवन के हर क्षेत्र में प्रवेश कर चुकी है- शिक्षा, चिकित्सा, संचार, मनोरंजन और प्रशासन तक। लेकिन तकनीक जितनी तेजी से बढ़ी है, उतनी ही तीव्रता से उसके दुरुपयोग की संभावनाएँ भी बढ़ी हैं। इन्हीं में से एक गंभीर चुनौती है- डीपफेकह्व और सिंथेटिक मीडियाह्व का प्रसार। डीपफेक का अर्थ है ऐसी ऑडियो, वीडियो या छवि जो एआई की मदद से इस तरह बनाई जाती है कि वह पूरी तरह वास्तविक प्रतीत होती है। किसी व्यक्ति का चेहरा बदल देना, उसकी आवाज की हूबहू नकल करना या किसी घटना का झूठा वीडियो तैयार करना- अब कुछ ही मिनटों का काम रह गया है। इस तकनीक के माध्यम से किसी के खिलाफ फर्जी वीडियो बनाना, राजनीतिक प्रचार में झूठ फैलाना या किसी महिला की तस्वीर से छेड़छाड़ अत्यंत आसान हो गया है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में, जहाँ सोशल मीडिया का प्रभाव करोड़ों नागरिकों तक है, डीपफेक का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। कुछ सेकंड का झूठा वीडियो समाज में अविश्वास, नफरत या भ्रम फैला सकता है। यह केवल नैतिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बनता जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस चुनौती का कोई संतुलित समाधान संभव है? क्या तकनीक को रोका जाए या उसके साथ जिम्मेदारीपूर्वक चलना सीखा जाए? यही प्रश्न आज के डिजिटल भारत के सामने सबसे बड़ा नीति-संकट बन गया है।

भारत सरकार ने इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए हाल में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के माध्यम से महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार ने ह्लसिंथेटिक सामग्री की अनिवार्य लेबलिंगह्व का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत यदि कोई सामग्री कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा बनाई गई है या उसमें एआई का हस्तक्षेप हुआ है, तो उसे ह्लएआई जनितह्व या ह्लसिंथेटिककह्व के रूप में स्पष्ट रूप से चिन्हित करना होगा। इस कदम का उद्देश्य है पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना, ताकि उपयोगकर्ता यह जान सके कि जो वह देख या सुन रहा है, वह असली है या कृत्रिम रूप से निर्मित। प्रस्तावित नियमों के अनुसार, वीडियो में ऐसा लेबल दृश्यमान रूप से दिखना चाहिए, ऑडियो में शुरूआती हिस्से में इसे सुनाई देना चाहिए और छवियों में भी यह टैग या वॉटरमार्क के रूप में मौजूद रहना चाहिए। यह नीति नवाचार रोकने के लिए नहीं बल्कि समाज में भरोसा कायम रखने के लिए है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सामग्री निमार्ताओं के लिए यह नियम न केवल कानूनी दायित्व बनेगा बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी। सरकार का कहना है कि इस कदम से उपयोगकर्ता स्वयं निर्णय ले सकेगा कि वह किस सामग्री को विश्वसनीय माने और किसे नहीं। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया है कि कोई भी क्रिएटर या प्लेटफॉर्म यदि जानबूझकर बिना लेबल की एआई जनित सामग्री प्रसारित करेगा तो उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। यह पहल भारत को वैश्विक स्तर पर जिम्मेदार डिजिटल राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत कर सकती है क्योंकि अमेरिका और यूरोप जैसे देशों में भी ऐसी नीतियों पर विचार चल रहा है।

सिंथेटिक सामग्री की लेबलिंग का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह पारदर्शिता लाती है और नागरिकों को सूचित निर्णय लेने की क्षमता देती है। जब किसी वीडियो या चित्र पर यह स्पष्ट लिखा हो कि यह ह्लएआई जनितह्व है, तो दर्शक उसे पूरी तरह वास्तविक मानने की गलती नहीं करेगा। इससे फेक न्यूज, अफवाहों और राजनीतिक दुष्प्रचार के प्रसार पर नियंत्रण पाया जा सकता है। यह लेबलिंग प्रणाली एक प्रकार का डिजिटल ह्लसावधानी संकेतह्व बन जाएगी, जो लोगों को भ्रामक सामग्री से बचने में मदद करेगी। इसके अलावा यह कदम उन क्रिएटर्स के लिए भी उपयोगी है जो जिम्मेदारी से एआई का प्रयोग करना चाहते हैं। जब हर सामग्री को स्पष्ट रूप से चिन्हित करना आवश्यक होगा, तो कोई भी व्यक्ति बिना जिम्मेदारी लिए गलत उद्देश्य से एआई का उपयोग नहीं कर पाएगा। इससे नैतिक डिजिटल वातावरण का निर्माण होगा। साथ ही, यह नीति तकनीकी उद्योग के लिए भी अवसर लेकर आएगी क्योंकि इससे ऐसे नए टूल्स, डिटेक्शन सिस्टम और एथिकल एआई तकनीकों की मांग बढ़ेगी जो यह सुनिश्चित करें कि कौन-सी सामग्री एआई जनित है और कौन-सी नहीं। परंतु यह कहना भी आवश्यक है कि इस नीति की सफलता केवल सरकार के नियमों पर निर्भर नहीं करेगी, बल्कि समाज की डिजिटल साक्षरता पर भी। यदि नागरिक स्वयं एआई तकनीकों की प्रकृति को नहीं समझेंगे, तो लेबल का अर्थ उनके लिए मात्र एक औपचारिकता बन जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि लेबलिंग के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता अभियान भी चलाए जाएँ ताकि आम लोग सच और कृत्रिमता में फर्क करना सीख सकें। इस नीति का उद्देश्य सराहनीय है लेकिन इसके कार्यान्वयन से जुड़ी कई व्यावहारिक चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। सबसे बड़ी चुनौती यह तय करना है कि आखिर ह्लसिंथेटिक सामग्रीह्व की परिभाषा क्या होगी। आज अधिकांश डिजिटल सामग्री मिश्रित रूप में होती है- जहाँ कुछ हिस्सा मानव द्वारा बनाया जाता है और कुछ एआई द्वारा। क्या ऐसी सामग्री भी पूरी तरह ह्लएआई जनितह्व मानी जाएगी? इसके अलावा, यह तकनीकी रूप से बहुत कठिन है कि हर अपलोड होने वाली सामग्री का निरीक्षण किया जाए और यह प्रमाणित किया जाए कि उसमें एआई का उपयोग हुआ है या नहीं। भारत जैसे विशाल देश में, जहाँ हर दिन करोड़ों वीडियो, छवियाँ और ऑडियो फाइलें सोशल मीडिया पर अपलोड होती हैं, वहाँ मॉनिटरिंग और ट्रैकिंग एक दुष्कर कार्य है।

दूसरा, छोटे और मध्यम स्तर के क्रिएटर्स तथा स्टार्टअप्स के लिए यह नियम आर्थिक बोझ बन सकता है। यदि लेबलिंग की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल या महंगी होगी तो नवाचार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। तीसरा, इस नीति से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी प्रश्न उठ सकते हैं। कोई कलाकार यदि एआई का उपयोग केवल रचनात्मक प्रयोग के रूप में करता है तो क्या उसे भी कठोर नियमों का पालन करना होगा? इसलिए यह जरूरी है कि नीति में लचीलापन हो और उसे विषय-वस्तु की प्रकृति के अनुसार लागू किया जाए। उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों- जैसे राजनीति, चुनाव, सामाजिक या धार्मिक मुद्दों में सख्त नियम लागू किए जाएँ, जबकि कला, शिक्षा या अनुसंधान के क्षेत्र में थोड़ी छूट दी जाए। अंततः, यह स्पष्ट है कि डीपफेक और एआई जनित सामग्री केवल तकनीकी चुनौती नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट भी है। सिंथेटिक मीडिया की अनिवार्य लेबलिंग इस दिशा में एक आवश्यक और दूरदर्शी कदम है। इससे न केवल नागरिकों को सुरक्षा मिलेगी बल्कि डिजिटल दुनिया में विश्वास भी पुनः स्थापित होगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि एआई को नियंत्रित कर नवाचार को बाधित किया जाए। आवश्यकता इस बात की है कि नवाचार और जवाबदेही के बीच संतुलन बना रहे। एआई का उद्देश्य मानवता की सेवा है, न कि भ्रम फैलाना या समाज में अविश्वास पैदा करना। इसलिए सरकार, तकनीकी कंपनियों, क्रिएटर्स और नागरिक समाज- सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि तकनीक का उपयोग पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से हो। डिजिटल साक्षरता, नैतिक दिशानिर्देश, और निरंतर संवाद इस प्रक्रिया के तीन प्रमुख स्तंभ होने चाहिए। साथ ही, नियमों की समीक्षा समय-समय पर की जाए ताकि वे तकनीकी प्रगति के अनुरूप बने रहें। यदि भारत इस नीति को विवेक, संवेदनशीलता और संतुलन के साथ लागू करता है, तो यह न केवल देश के डिजिटल भविष्य को सुरक्षित करेगा, बल्कि दुनिया के सामने जिम्मेदार एआई शासन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करेगा। डीपफेक से उपजी चुनौती का उत्तर दमन नहीं बल्कि समझदारी और नैतिक तकनीकी नीति है। यही दृष्टिकोण भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में वास्तविक नेतृत्व प्रदान कर सकता है- ऐसा नेतृत्व जो सत्य, पारदर्शिता और मानवता पर आधारित हो।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

यूएनओः आठ दशकों की विफलता और प्रासंगिकता का संकट

इराक युद्ध (2003) में अमेरिका ने सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप लाखों नागरिक मारे गए। सीरिया गृहयुद्ध (2011 से अब तक) में रूस और चीन के वीटो ने कोई ठोस कार्रवाई रोकी, जिससे 5 लाख से अधिक लोग मारे गए। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण (2022) में भी रूस के वीटो ने यूएन को असहाय बना दिया। हाल के गाजा संकट में अमेरिका ने इजरायल के पक्ष में 53 बार वीटो का उपयोग किया।

हरीश शिवनानी

हाल ही भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जब 16 अक्टूबर को नई दिल्ली में 'यूएन पीसकीपिंग मिनिस्ट्रियल' कॉन्क्लेव में तल्ख लहजे में कहा कि, ₹संयुक्त राष्ट्र आज भी 1945 की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करता है, न कि 2025 की।ह्व परोक्ष रूप से उनका इशारा पिछले आठ दशकों में यूएनओ की विफलताओं, इसकी संरचनात्मक कमजोरियों और सुधार की आवश्यकता की ओर ही था। 24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) ने अपनी स्थापना के 80 वर्ष पूरे किए। 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की विभीषिका के बाद ह्यभावी पीढ़ियों को युद्ध के संकट से बचानेह्व के उद्देश्य से स्थापित यह संगठन आज अपनी प्रासंगिकता और विश्वसनीयता के गंभीर संकट से जूझ रहा है। गाजा, यूक्रेन, सूडान और हैती जैसे वैश्विक संकटों के बीच यूएनओ की निष्क्रियता ने इसे 'कागजी शेर' की संज्ञा दी है। यूएनओ की विफलताओं का इतिहास खासा लंबा है। यूएनओ की स्थापना का प्राथमिक लक्ष्य विश्व शांति स्थापित करना था लेकिन इसके इतिहास में विफलताओं की लंबी फेहरिस्त है। रवांडा नरसंहार (1994) इसका सबसे दुखद उदाहरण है, जहां यूएन शांति सेना (यूएनएएमआईआर) के रहते हुए भी करीब आठ लाख लोग मारे गए। तत्कालीन महासचिव कोफी अन्नान ने इसे संगठन की सबसे बड़ी नाकामी माना था। स्रेब्रेनिका नरसंहार (1995) में यूएन द्वारा घोषित सुरक्षित क्षेत्र में 8,000 से अधिक लोगों की हत्या हुई, जिसे रोका नहीं जा सका। इराक युद्ध (2003) में अमेरिका ने सुरक्षा परिषद की मंजूरी के बिना हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप लाखों नागरिक मारे गए। सीरिया गृहयुद्ध (2011 से अब तक) में रूस और चीन के वीटो ने कोई ठोस कार्रवाई रोकी, जिससे 5 लाख से अधिक लोग मारे गए। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण (2022) में भी रूस के वीटो ने यूएन को असहाय बना दिया। हाल के गाजा संकट में अमेरिका ने इजरायल के पक्ष में 53 बार वीटो का उपयोग किया, जिससे युद्धविराम प्रस्ताव विफल हुए। ये घटनाएं यूएन की सबसे बड़ी कमजोरी- सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (पी-5ः अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस) के वीटो अधिकार- को उजागर करती हैं। दरअसल, अपनी स्थापना से ही यूएन कई वैश्विक विवादों को हल करने में असफल रहा है, जो इसकी संरचनात्मक कमियों को दशार्ता है। कुछ उदाहरण देखिए- स्वेज नहर संकट (1956)ः यूएन सैन्य समाधान देने में असफल रहा, अमेरिका और सोवियत संघ के दबाव से ही संकट सुलझा। कश्मीर विवादः साल 1948 से प्रस्तावों के बावजूद भारत-पाकिस्तान के बीच यह विवाद यूएनओ कभी सुलझा नहीं पाया। भारत ने अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद पीओके को पुनः भारत में विलय का संकल्प दोहराया है। ईरान-इजरायल संघर्षः अमेरिका के वीटो के कारण यूएन इजरायल की कार्रवाइयों पर रोक नहीं लगा सका। फिलिस्तीन-इजरायल संघर्षः दो-राज्य समाधान लागू नहीं हो सका और इजरायल ने यूएन प्रस्तावों की जमकर अनदेखी की और अंततः गाजा पट्टी को लगभग खत्म ही कर दिया।

सीरिया गृहयुद्धः रूस और अमेरिका के मतभेदों ने यूएन को बौना साबित कर दिया। इसी तरह उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम पर यूएन प्रतिबंध प्रभावी नहीं रहे तो पश्चिमी सहारा पर भी जनमत संग्रह कराने में यूएन विफल रहा, साइप्रस विवाद भी दशकों पुराना यह विवाद अनसुलझा है। सबसे बढ़कर पिछले तीन सालों से यूक्रेन-रूस संघर्ष जारी है और हजारों लोग मारे जा चुके हैं पर यूएन बेबस, लाचार बना हुआ है। इन सब वैश्विक घटनाओं को देखते हुए अब यूएन की प्रासंगिकता पर सवाल उठने लगे हैं क्योंकि शक्तिशाली देश इसके फैसलों की अवहेलना करते रहे हैं और लगातार कर रहे हैं। इजरायल ने साल 1967 के युद्ध के बाद कब्जे वाली भूमि से पीछे हटने के यूएन प्रस्तावों को नजरअंदाज किया। अमेरिका ने इजरायल के पक्ष में वीटो का दुरुपयोग किया, जबकि रूस ने यूक्रेन संकट में खुद को बचाया। भारत की स्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय है। आठ बार अस्थायी सदस्य रहने के बावजूद भारत को स्थायी सदस्यता नहीं मिली। जी-4 देशों (भारत, ब्राजील, जर्मनी, जापान) के साथ मिलकर भारत सुधारों की मांग कर रहा है, लेकिन पी-5 के विरोध ने प्रगति रोकी। निराशा में भारत ब्रिक्स और क्वाड जैसे वैकल्पिक मंचों की ओर बढ़ रहा है। हाल ही में भारत ने अफ्रीकी प्रतिनिधित्व की वकालत की लेकिन अपनी सदस्यता की अनदेखी से असंतोष बढ़ा है। इसी के मद्देनजर गत 26 सितंबर को महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने सुरक्षा परिषद में सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया और साफ कहा कि ह्ल अब 1945 का दौर नहीं रहा।₹ साल 2024 के 'समिट ऑफ द फ्यूचर' में भी सुधारों पर चर्चा हुई लेकिन पी-5 के बीच तनाव ने रोड़े अटका दिए। कहने को कहा जा सकता है कि यूएन ने मानवीय सहायता, शरणार्थी संरक्षण और जलवायु पर कुछ सफलताएं हासिल की हैं, लेकिन इसकी विफलताएं भारी हैं। वीटो पावर, पी-5 का प्रभुत्व और उभरते देशों की अनदेखी ने इसे पक्षपाती बना दिया है। वैकल्पिक मंचों जैसे ब्रिक्स और जी20 का उदय यूएन की प्रासंगिकता को चुनौती दे रहा है। सुधारों के बिना यूएन लीग ऑफ नेशंस की तरह अप्रासंगिक हो सकता है। आवश्यक सुधारों के लिए दो महत्वपूर्ण बिंदु हैंः वीटो पावर पर अंकुशः सुरक्षा परिषद के पाँच देशों के वीटो के दुरुपयोग को सीमित करना। स्थायी सदस्यता का विस्तारः भारत, ब्राजील, जर्मनी, जापान और अफ्रीकी देशों को शामिल करना अब अपरिहार्य हो चुका है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में इनकी भूमिका को कम नहीं आंका जा सकता। गत 80 वर्षों में यूएन ने विश्व शांति के लिए कुछ प्रयास किए लेकिन रवांडा, स्रेब्रेनिका, इराक, सीरिया, यूक्रेन और गाजा जैसे मामलों में इसकी विफलताएं इसकी विश्वसनीयता पर बट्टा लगाती हैं। यदि यूएन 2025 की दुनिया के अनुरूप खुद को नहीं ढालता तो यह केवल भाषणों का क्लब बनकर रह जाएगा। सुधार ही इसका भविष्य तय करेंगे- वरना अप्रासंगिक बन कर रह जाना ही इसकी नियति होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

कार्तिक विनायक चतुर्थी व्रत से मिलता है मनचाहा वरदान

संकष्टी और विनायक चतुर्थी के दिन व्रत रखने वाले साधकों पर भगवान गणेश की विशेष कृपा बरसती है। उनकी कृपा से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही जीवन में व्याप्त संकटों से मुक्ति मिलती है तो आइए हम आपको कार्तिक विनायक चतुर्थी का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं। प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि भगवान गणेश को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर क्रमशः संकष्टी और विनायक चतुर्थी मनाई जाती है। संकष्टी और विनायक चतुर्थी पर भक्ति भाव से भगवान गणेश की पूजा की जाती है। साथ ही मनचाहा वरदान पाने के लिए चतुर्थी का व्रत रखा जाता है।

कार्तिक विनायक चतुर्थी पर बन रहे हैं ये शुभ योग

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर कई मंगलकारी संयोग बन रहे हैं। इन योग में शिव परिवार की पूजा की जाएगी। इस शुभ अवसर पर शोभन और रवि योग का संयोग है। भद्रावास योग का संयोग रात भर है। इन योग में भगवान गणेश की पूजा करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

कार्तिक विनायक चतुर्थी पर करें इन मंत्रों का जप, होंगे लाभान्वित

कार्तिक विनायक चतुर्थी और नहाय खाय है एक साथ

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से छठ पूजा की शुरूआत होती है। इसके पहले दिन नहाय खाय मनाया जाता है। वहीं, दूसरे दिन खरना मनाया जाता है। जबकि, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके अगले दिन उगते सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है। इस साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 25 अक्टूबर को है। इस प्रकार 25 अक्टूबर को नहाय खाय भी मनाया जाएगा।प्रत्येक महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी मनायी जाती है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा का विधान है। हमारी संस्कृति में गणेश जी को प्रथम पूजनीय का दर्जा दिया गया है। वहीं 25 अक्टूबर को कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन से छठ पूजा का आरंभ भी होगा और 25 तारीख को नहाय-खाय है। ऐसे में छठ पर्व की शुरूआत और वैनायकी चतुर्थी के शुभ संयोग में कुछ उपाय करके आपको करियर से लेकर निजी जीवन तक में शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

कार्तिक विनायक चतुर्थी पर ऐसे करें पूजा, मिलेगा लाभ

कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर सूर्योदय से पहले उठें। घर की साफ-सफाई करें। इसके बाद गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। अब आचमन कर स्वयं को शुद्ध करें और पीले रंग के कपड़े पहनें। इस समय आत्मा के कारक सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें। इसके बाद पंचोपचार कर विधि विधान से भगवान गणेश की पूजा करें। पूजा के समय गणेश चालीसा का पाठ और मंत्रों का जप करें। पूजा के अंत में आरती करें। इस समय सुख, समृद्धि और शांति की कामना भगवान गणेश से करें।

सेहत

90 दिनों में पाएं मनचाहा फिगर!

फिट दिखने की हर किसी की ख्वाहिश होती है। लोग फिट रहने के लिए क्या-क्या नहीं करते हैं। एक बार वजन बढ़ जाए तो इसे कंट्रोल करना काफी मुश्किल होता है। अगर सही समय पर वजन को कंट्रोल किया जाए, तो आपका वजन कम होने लगता है। यदि आप ज्यादा ही मोटे हो गए हैं, तो 3 महीने के अंदर फिटनेस कोच ने बताएं वजन कम करने टिप्स। तीन महीने के अंदर आप हो जाएंगे पतले। आइए आपको बताते हैं आसान फिटनेस प्लान। फिटनेस कोच ने बताया है कि खाली पेट एक्सरसाइज या कार्डियो करना फैट बर्न करने का सबसे आसान तरीका है। रोजाना कम से कम 30 से 45 मिनट तक वॉक करें या हल्की जॉगिंग जरुर करें। इससे शरीर का जल्दी फैट बर्न करता है। शरीर में जमा हुआ फैट एनर्जी को रुप में प्रयोग होता है। वजन भी कम होने लगता है। वजन कम करने के लिए सिर्फ वॉक या रनिंग से कुछ नहीं होने वाला है। यदि आपको फिट दिखने के साथ ही स्ट्रॉन्ग बनना है, तो वेट ट्रेनिंग भी जरुरी है। आप कम से कम हफ्ते में 4 से 5 बार वेट उठाने वाले एक्सरसाइज करें। इसके लिए आप स्क्वैट्स, डेडलिफ्ट और बेंच प्रेस। एक्सरसाइज तेजी से ज्यादा कैलोरी बर्न करती हैं और इसके साथ ही लीन मसल्स बनाती है। यदि आपको वजन कम करना है, तो आप प्रोटीन की सही मात्रा जरुर लें। हर दिन अपने वजन के हिसाब से एक ग्राम प्रोटीन जरुर लें। जैसा कि-किसी का वजन 60 किलो है, तो उसे 130 ग्राम प्रोटीन लेना जरुरी है। प्रोटीन लेने से आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती और मसल्स को टूटने से भी बचाता है। आप अपनी डाइट में अंडे, दाल, पनीर, दही, चिकन या सोया प्रोटीन जैसे ऑप्शंस सबसे बेहतर है। ठंडे पानी से नहाने से आपके शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होगा। ठंडा पानी शरीर को एक्टिव रखता है और फैट बर्न करने में मदद करता है। शुरूआत में आपको काफी परेशान होगी लेकिन बाद में आपको इसकी आदत हो जाएगी।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

उदीयमान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही सूर्योपासना का महापर्व छठ संपन्न

संवाददाता

बासुकीनाथः सूर्योपासना एवं लोक आस्था का महापर्व छठ पर्व का मंगलवार को उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य प्रदान करने के साथ ही समापन हो गया । सोमवार की शाम ओर मंगलवार की सुबह सैकड़ों छठव्रतियों द्वारा अस्ताचल गामी और उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के साथ ही छठ पूजा का समापन हो गया । मंगलवार को प्रसिद्ध शिवनगरी बासुकिनाथ के शिवगंगा सरोवर में प्रातः चार बजे से ही छठव्रतियों का बाजे गाजे के साथ शिवगंगा सरोवर में आना प्रारंभ हुआ । बासुकिनाथ शिवगंगा के चारों ओर बने छठ घाटों पर छठव्रतियों और उनके परिजनों की भारी भीड़ उमड़ पडा । छठव्रतियों ने अहले सुबह चार बजे से ही शिवगंगा सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर भगवान भास्कर के उगने का इंतजार कर रहे थे । मंगलवार की सुबह सूर्य देवता के उदीयमान होते ही भगवान सूर्य को नेम निष्ठा से छठव्रतियों द्वारा से अर्घ्य देना प्रारंभ किया ।अर्घ्य देने के लिए छठव्रतियों के परिजन और अन्य श्रद्धालुओं ने भी अर्घ्य देना प्रारंभ किया । बासुकिनाथ शिवगंगा सरोवर में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ अर्घ्य देने के लिए उमड़ पड़ा । छठ पूजा के समापन के दिन मंगलवार को बाबा बासुकिनाथ के पवित्र शिवगंगा सरोवर में उत्सवी माहौल था । सभी छठव्रतियों ने अर्घ्य देने के बाद बाबा बासुकिनाथ मंदिर में भी पूजा अर्चना किया । सब कुछ तो ठीक ही रहा परन्तु छठ पूजा के अवसर में छठव्रतियों और उनके परिजनों को पवित्र शिवगंगा के दूषित जल में ही आस्था की डुबकी लगाना पड़ा । हालांकि पांच दिवसीय छठ पूजा के तीसरे दिन खरना के दिन बासुकीनाथ मंदिर के मंदिर प्रभारी सह जरमुंडी प्रखंड के बीडीओ कुंदन भगत एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ के नगर प्रशासक सार्जन मरांडी एवं पूर्व राज्यसभा सांसद अभयकांत प्रसाद कुछ सफाई मजदूर लेके शिवगंगा घाट पहुंचे । लेकिन एक दिन में पानी साफ करना संभव नहीं हो सका । बेबस और लाचार छठव्रतियों ने शिवगंगा पर आस्था रखते हुए डुबकी लगाया और सोमवार की शाम अस्ताचलगामी एवं मंगलवार को उगते

खुटा बांध छठ घाट पर राजद ने बांटा दूध

दुमकाः लोक आस्था का महापर्व छठ व्रत के अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव द्वारा खुटा बांध तालाब के छठ घाट पर छठ व्रतियों के अर्घ्य के लिए दूध, गंगा जल, अगरबत्ती आदि का निःशुल्क वितरण किया। छठ व्रतियों के लिए निशुल्क दूध वितरण शिविर लगा कर छठ व्रतियों की सेवा में राजद कार्यकर्ता तत्पर रहे। राजद कार्यकर्ताआं ने सैकड़ो छठव्रतियों के बीच पूजन सामग्री का वितरण किया। जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि छठ पर्व लोक आस्था, स्वच्छता, आपसी प्रेम और भाईचारा का प्रतीक है। छठ घाट पर सभी भक्त, उच्च-नीच, अमीर-गरीब, जाति-धर्म के बंधन को तोड़ते हुए एक साथ कतार बद्ध होकर भगवान भाष्कर की उपासना करते हैं। यही एक ऐसा पर्व है जिसमें समुदाय के लोगों के परस्पर सहयोग से पूजा सम्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि छठ व्रतियों की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है। इससे आध्यात्मिक, सामाजिक और व्यक्तिगत लाभ मिलता है।
मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद पंडित, अल्पसंख्यक शेल के जिलाध्यक्ष जमील अख्तर, चंचल सिंह, ललित यादव सहित कई लोगों ने सहयोग किया।

धूमधाम से संपन्न हुआ छठ महापर्व

जरमुंडीः प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांव में लोक आस्था एवं सूर्योपासना का पर्व छठ पूजा धूमधाम से किया सम्पन्न किया । जरमुंडी के राउत बांध,गरडी बांध,हरिपुर में टेपरा नदी, नोनीहाट ,सुखजोरा में धोबेय नदी में छठव्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य प्रदान किया । प्रखंड क्षेत्र के अन्य दर्जनों गांवों में वहां के स्थानीय जलाशयों में छठ व्रतियों ने नेम निष्ठा से मंगलवार को उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य प्रदान कर श्रद्धा भक्ति से छठ पूजा का समापन किया ।

बाबा नगरी में संपन्न हुआ छठ महापर्व

बासुकीनाथः पावन नगरी बाबा बासुकीनाथ के शिवगंगा घाट पर सूर्य उपासना एवं लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा उगते हुए सूर्य देव की उपासना कर मंगलवार को चौथे दिन समाप्त हो गया । हिंदू धर्म में छठ पूजा का एक अपना अलग ही महत्व है। इस अवसर पर शिवगंगा घाट में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जिसे देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था करनी पड़ी फिर भी भीड़ संभालते नहीं संभल रही थी। प्रशासन की उदासीनता को लेकर शिवगंगा की समुचित सफाई नहीं हुई थी जिसे लेकर छठ वर्ती मेंअसंतोष देखा गया। शिवगंगा का पानी जरूरत से ज्यादा गंदा हो गया था जितनी सफाई होनी चाहिए उतनी सफाई नहीं हुई थी जिसे देखते हुए प्रशासन की उदासीनता पर सोचने पर मजबूर होना पड़ा। जय छठी मैया सभी भक्तों की मनोकामना पूर्ण करें।

अपहृत युवक की हत्या मामले में पांच गिरफ्तार, भेजे गये जेल

संवाददाता

साहिबगंजः जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र से अपहृत युवक जितेंद्र मुंडा की हत्या करने वाले पांच आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को बरहेट थाना क्षेत्र के मुगदी से गिरफ्तार करने के बाद सदर अस्पताल में मेडिकल जांच करवाने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जहां गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों की पहचान शिवराम मुर्मू उम्र 25 वर्ष पिता चंदन मुर्मू, जुशांति सोरेन उम्र 28 वर्ष पति शिवराम मुर्मू, भूंडा हेंब्रम उम्र 35 वर्ष पिता भगमत हेंब्रम, सुनील हांसदा उम्र 40 वर्ष पिता लखीराम हांसदा एवं मंगल सोरेन उर्फ बाबुधन सोरेन उम्र 45 वर्ष पिता पुच्चू सोरेन के रूप में हुई है। उधर पुलिस टीम ने मृतक युवक का स्कूटी संख्या जेएच 18 जे 4080 एवं एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन रियल मी को भी बरामद कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते दिनों 25 अक्टूबर

को मृतक युवक जितेंद्र मुंडा के पिता बुलडू मुंडा ने जिरवाबाड़ी थाना में अपने पुत्र के अपहरण करने के मामले में लिखित आवेदन दिया था जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज करते हुए छानबीन शुरू कर दी थी। उधर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया था जिसमें पुलिस की टीम ने बरहेट थाना क्षेत्र के केशाफुल्ली जंगल स्थित बंद पड़े कोयला खदान से मृतक युवक का शव व उसकी स्कूटी को बरामद किया था। उधर बरहेट थाना क्षेत्र की पुलिस के सहयोग से सभी आरोपियों को थाना क्षेत्र के मुगदी से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इस छापेमारी टीम में एसआई मो. शाहरुख, अजीत लकड़ा, बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार, एसआई बिट्टू कुमार साहा समेत अन्य पुलिस जवान शामिल थे।

पलामू किले में यज्ञ का चेरो आदिवासी समाज ने किया विरोध

पलामू : पलामू किला परिसर में यज्ञ कार्यक्रम का चेरो आदिवासी समाज ने विरोध किया है और स्थान परिवर्तित करने की मांग की है। चेरो आदिवासी समाज ने यज्ञ को कार्यक्रम नहीं बदलने पर प्राथमिकी दर्ज कराने की चेतावनी दी है। मेदिनी वेलफेयर ट्राइबल सोसाइटी, राष्ट्रीय चेरो जनजाति महासंघ और चेरो आदिवासी भैयारी पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में मेदिनीनगर में मंगलवार को बैठक कर विरोध का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सोसाइटी के अध्यक्ष निर्मल सिंह चेरो ने की। बैठक में चेरो समाज के बुद्धिजीवी, सामाजिक प्रतिनिधि और समुदाय के अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पलामू किला जतरा में प्रस्तावित यज्ञ आदिवासी रूढ़ी परम्परा के विरुद्ध है और हिंदूवादी संगठनों का एक षड्यंत्र है। इससे आदिवासी धरोहर पर यज्ञ के माध्यम से धार्मिक उन्माद फैलाकर और असंवैधानिक तरीके से भूमि पर कब्जा करने का प्रयास है। चेरो आदिवासी संगठन किसी भी धर्म का विरोधी नहीं है पर अपनी आदिवासियत और धरोहरों से छेड़छाड़ एवं रूढ़िवादी व्यवस्था के साथ के विपरीत कार्यक्रम का जोरदार विरोध किया जाएगा। इन संगठनों ने जिला प्रशासन से यज्ञ को स्थानांतरित करने की मांग की है।

शांति व श्रद्धा के साथ छठ संपन्न

संवाददाता

साहिबगंजः चार दिवसीय लोक आस्था व नेम निष्ठा का महापर्व कहे जाने वाले छठ पर्व का मंगलवार को उदयागामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के बाद श्रद्धापूर्वक समापन हो गया है। जहां शनिवार को नहाए खाए, रविवार को खरना, सोमवार को संध्याकालीन अर्घ्य देने के बाद भारी संख्या में छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं ने स्थानीय गंगा घाट के किनारे, पोखरों, तालाबों व अपने अपने घरों के छतों व आंगन में कुंड बनाकर अस्ताचलगामी व उदयागामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। जहां स्थानीय बिजली गंगा घाट समेत अन्य गंगा घाटों पर अर्घ्य देने के बाद भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में नौका विहार का भी लुफ्त उठाया। उधर जिले के ग्रामीण इलाकों समेत बिहार से सटे जिलों में भी पूरे श्रद्धा और विश्वास के साथ छठ व्रतियों ने इस चार दिवसीय महापर्व का समापन किया। जहां छठ महापर्व के समापन के बाद छठ व्रतियों ने गंगा घाट के किनारे ठेकुआ, कसार समेत अन्य प्रसादों को ग्रहण करते हुए उपवास को तोड़ा जिसके बाद परिजन व श्रद्धालुओं ने भी छठ महापर्व का प्रसाद ग्रहण किया।

सामूहिक रूप से वेद पाठ होने से वातावरण वैदिक मंगल ध्वनि से हुआ गुंजायमान

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवाः बरहरवा मेन रोड स्थित आर्य गेस्ट हाउस में भव्य पंचकुण्डीय यजुर्वेद महायज्ञ का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। इस यज्ञ में गुरुकुल की आचार्या 25 ब्रह्मचारिणियों ने सामूहिक रूप से वेद पाठ कर वातावरण को वैदिक मंगल ध्वनि से गुंजायमान कर दिया।मुख्य यजमान के रूप में सत्येंद्र आर्य,ललन आर्य,ओम प्रकाश आर्य एवं शत्रुघ्न आर्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में विद्वान वक्ताओं के रूप में प्राचार्य काशी बाबू, अंगिरा आर्य व अभिनव शास्त्री ने यज्ञ

की महत्ता पर अपने विचार प्रकट किए। मौके पर मौजूद वि?द्वानों ने संबोधित करते हुए कहा कि ₹स्वर्गकामनाओं की पूर्ति यज्ञ से होती है।अग्नि में डाला गया आहुति पदार्थ कभी नष्ट नहीं होता।बल्कि हजार गुना प्रभाव के साथ हमारे जीवन में शुभ परिणाम लाता है। उन्होंने बताया कि यज्ञ द्वारा भूमि,जल और वायु की शु?द्धि होती है।यह निरोग जीवन, ऐश्वर्य प्राप्ति आत्मिक शक्ति-विकास का माध्यम है।यज्ञ ही सुख,समृ?द्धि और भौतिक जीवन का आधार है।विद्वानों ने सभी आर्यजनों से आग्रह किया कि प्रत्येक व्यक्ति को नियमित रूप से यज्ञ करना चाहिए,क्योंकि यह न केवल पर्यावरण की शु?द्धि करता है ।बल्कि मन आत्मा और शरीर की शु?द्धि का भी सर्वोत्तम उपाय है।जो व्यक्ति अपने द्वारा उत्पन्न प्रदूषण की क्षतिपूर्ति यज्ञ के माध्यम से नहीं करता,वह प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्व से व से विमुख होता है।कार्यक्रम के अंत में आर्य समाज बरहरवा के कार्यकर्ता सदस्यों ने सभी यजमानों ब्रह्मचारिणियों अतिथियों एवं उपस्थित आर्य समाज के सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए यज्ञ के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में द्वारा यजमानों द्वारा प्रसाद एवं भोजन का उत्तम व्यवस्था किया गया था

न्यूज IN ब्रीफ

गौशाला मेले में अंतर्राज्यीय दंगल का होगा आयोजन

साहिबगंजःछठ महापर्व के अगले दिन 29 एवं 30 अक्टूबर को महादेवगंज स्थित गौशाला में गोपाष्टमी के अवसर पर गौशाला मेला का आयोजन किया जाता है।इस क्षेत्र में गौशाला मेला का अपना ही महत्व है।मेला आयोजन को लेकर आयोजन समिति ने तैयारी लगभग पूरी कर ली है।आयोजित गौशाला मेले में अंतर्राज्यीय दंगल का आयोजन होना है। इस दंगल में उत्तर प्रदेश,हरियाणा,दिल्ली,पंजाब,बिहार, झारखंड,उड़ीसा,महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के पहलवान भाग लेंगे। इसको लेकर झारखण्ड प्रदेश यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सह भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने लोगों से इस रोमांचकारी दंगल में शामिल होने का आग्रह किया है।बजरंगी प्रसाद यादव ने बताया कि पहले की तुलना में अब गौशाला मेला विराट रूप में आयोजित किया जाता है। वही कार्यक्रम प्रभारी राजेश यादव ने बताया की प्रत्येक साल गौशाला गौशाला में गोपाष्टमी के मौके पर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।इस तरह के प्रतियोगिता का आयोजन होने से यहां के लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिलता है। उन्होंने बताया की दो दिवसीय मेला मे स्थानीय व्यापारी के आलावे बाहर से भी सैकड़ों व्यापारी यहां आते है।

गोड़ी टोला गंगा घाट से एक व्यक्ति का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंजःराजमहल थाना क्षेत्र के सरकंडा नमामि गंगे घाट के निकट गोड़ी टोला गंगा घाट में मंगलवार को मिठुवा महलदार 35 नामक व्यक्ति का शव गंगा नदी से बरामद होने से गांव में सनसनी मच गई है। मिली जानकारी के अनुसार मिठुवा महलदार गांव दौलत नगर, थाना रतवा जिला मालदा का शव गंगा नदी में तैरता हुआ मिला जिसे आनन फानन मे उसे पानी से बाहर निकाला। वही इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दिया गया। जहां सूचना मिलते ही राजमहल थाना के एसआई पवन यादव मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक के जीजा नीताय महलदार ने बताया कि वह यहां पर पिछले चार महीने से रहता था और राजमिस्त्री का काम करता था और जहां तहां खा पीकर रह जाता था लेकिन दो दिन पहले (कद्दू भात) के दिन खाना खाकर घर से निकला उसके बाद उसका कुछ पता नहीं चला, वह आए दिन जहां काम करता है वही रह जाता है। उधर मंगलवार की सुबह छठ पूजा के अंतिम दिन सुबह 10:30 बजे उनका शव गंगा नदी में तैरता हुआ मिला जिसे बाहर निकाला गया और इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दिया गया एवं उनके परिजनों को भी सूचना दूरभाष के माध्यम से दे दिया गया। वहीं मृतक अपने पीछे दो बेटा और दो बेटी छोड़ गए हैं।

तेतरिया संथाली के एक घर में लगी आग, परिवार ने प्रशासन से लगाई मदद की गुहार

साहिबगंज/बोरियोःथाना क्षेत्र के दुर्गा टोला पंचायत अंतर्गत तेतरिया संथाली गांव के एक घर में सोमवार के अहले सुबह करीबन पांच बजे अचानक से आग लग गई। जहां यह आग तेतरिया संथाली गांव के ताला हेंब्रम पिता प्रधान हेंब्रम के घर में लगी है। उधर घर में आग किस कारण लगी इसका स्पष्ट कारण परिवार को नहीं पता चला है। लेकिन घर में रखे अनाज, कपड़े, कागजात सहित अन्य जरूरी सामान जलकर खाक हो गए हैं। जहां पीड़ित परिवार ने बोरियो प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

उदयीमान सूर्य को अर्घ्य के साथ लोकआस्था का महापर्व छठ संपन्न

दुमका : लोक आस्था के चार दिवसीय महापर्व छठ का विधिवत समापन मंगलवार को व्रतियों के पारण से हो गया। व्रतियों ने उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देकर सूर्यदेव से परिवार की सुख-शांति, आरोग्यता और समृद्धि की कामना की। मंगलवार की सुबह दुमका शहर के प्रमुख छठ घाट सहित ग्रामीण इलाकों के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह होते ही घाटों पर उग हे सूरज देव... के गीतों की गूंज के साथ पूरा माहौल आस्था और भक्ति में डूब गया। महिलाएं व्रत के चौथे दिन यानी उषा अर्घ्य के दौरान जल में खड़ी होकर सूर्य देव की आराधना करती नजर आईं। इससे पहले सोमवार की शाम अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के लिए भी श्रद्धालुओं का सैलाब घाटों पर उमड़ पड़ा था। नगर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा और स्वच्छता की पुख्ता व्यवस्था की थी। जगह-जगह प्रशासनिक अधिकारी, एनडीआरएफ की टीम मुस्तैद रही। घाटों पर रोशनी, बैरिकेडिंग और मेडिकल टीम की व्यवस्था की गई थी, ताकि किसी भी तरह की असुविधा नहीं हो। चार दिनों तक चले इस पर्व में नहाय-खाय, खरना, संध्या अर्घ्य और उषा अर्घ्य की परंपराओं को व्रतियों ने पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ निभाया। छठी मइया और सूर्य देवता की आराधना के साथ यह पर्व संपन्न हुआ। दुमका के विभिन्न घाटों पोखरा चौक बड़ा बांध, खूंटा बांध, रसिकपुर बड़ा बांध, लखीकुंडी घाट, पुसारो सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी उल्लास और भक्तिभाव के साथ छठ पूजा संपन्न हुआ।

आशिकी ओटीटी के बाद अब बॉलीवुड डेब्यू करेंगे

रित्विक भौमिक

छोटे पर्दे और डिजिटल दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके अभिनेता रित्विक भौमिक अब सिल्वर स्क्रीन पर कदम रखने जा रहे हैं। बंदिश बैंडिट्स के जरिए दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले रित्विक जल्द ही अपनी पहली हिंदी फिल्म 'अभूतपूर्व' में नजर आएंगे। यह फिल्म रोमांटिक हॉरर कॉमेडी होगी, जिसकी कहानी 90 के दशक के आगरा की गलियों से शुरू होती है।

डिजिटल स्टार से फिल्मी हीरो तक

रित्विक भौमिक ने अमेजन प्राइम की म्यूजिकल वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स' (2020) में राधे राठौर का किरदार निभाया, जिसके बाज उनकी पहचान बनी। इसके बाद रित्विक ने 'मजा मा' (2022) और 'खाकी- द बंगाल चैप्टर' (2023) जैसी प्रोजेक्ट्स में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। अब, फिल्मों में डेब्यू के साथ उनका करियर एक नए मोड़ पर पहुंचने वाला है।

'अभूतपूर्व' में खास किरदार

इस फिल्म में रित्विक 'अभय' नाम के युवक का रोल निभाएंगे। कहानी एक ऐसी मोहब्बत के इर्द-गिर्द घूमती है जो जिंदगी और मौत की बंदिशों के आगे बढ़ जाती है। आगरा के बैकड्रॉप पर बनी इस फिल्म में रोमांस और कॉमेडी का मिश्रण दिखाया जाएगा।

इंस्टाग्राम पर हुआ ऐलान

शनिवार को फिल्म से रित्विक का पहला लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया। पोस्ट के साथ लिखा गया था कि यह कहानी एक ऐसी प्रेमकथा है जो अब तक न कही गई और न सुनी गई। यह झलक दर्शकों को फिल्म की दुनिया का अहसास कराने के लिए थी, जबकि पूरा सफर उन्हें सिनेमाघरों में दिखाई देगी।

फिल्म का प्रोडक्शन

फिल्म 'अभूतपूर्व' का निर्माण ख्याति मदान की कंपनी नॉट आउट एंटरटेनमेंट कर रही है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट और टीम से जुड़े डीटेल्स सामने नहीं आए हैं, लेकिन यह निश्चित है कि इसे बड़े पैमाने पर पेश किया जाएगा।

➤ पंचायत 5 का बेसब्री से

इंतजार कर रहीं हैं सानविका

प्राइम वीडियो की सीरीज पंचायत के अगले सीजन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। इस साल जून में सीरीज का चौथा सीजन रिलीज हुआ अब दर्शक पंचायत 5 के इंतजार में हैं, जिसका एलान हो चुका है। दर्शक ही नहीं, पंचायत की रिंकी भी पांचवें सीजन का इंतजार कर रही हैं। हालिया पोस्ट के जरिए उन्होंने यह खुद कहा है। रिंकी का रोल अदा करने वाली एक्ट्रेस सानविका ने शुक्रवार को अपनी कुछ फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इसके साथ लिखा है, मैं पांचवें सीजन का इंतजार कर रही हूं उनके पोस्ट पर कमेंट करते हुए नेटिजन्स पूछ रहे हैं, पांचवां सीजन कब आएगा।

जिया शंकर ने लाल साड़ी में बिखेरा जादू

बस उसी की बनकर वाले कैप्शन ने खींचा लोगों का ध्यान

टीवी से लेकर वेब सीरीज तक, जिया शंकर उन चेहरों में से एक हैं जिन्होंने कम वक्त में अपनी खास पहचान बनाई है। उनकी मासूम मुस्कान और दमदार अभिनय ने दर्शकों के दिलों में एक अलग ही जगह बनाई है। वह अपने स्टाइल और लुक्स को लेकर भी हमेशा चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी हर तस्वीर को लाखों लोग पसंद करते हैं। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर नया फोटोशूट पोस्ट किया, जिसने फैंस को फिर एक बार उनका दीवाना बना दिया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई फोटोशूट में जिया शंकर ने रेड कलर की पारंपरिक साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। साड़ी में हल्की चमक है। इस चमक से अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह रेशमी या साटन कपड़े की साड़ी हो सकती है। साड़ी के बॉर्डर पर बारीक कढ़ाई की गई है जो पूरे लुक को शाही बना रही है। साड़ी से ज्यादा ध्यान उनके ब्लाउज ने खींचा है। ब्लाउज पर सुंदर सी कढ़ाई हुई है और बाजुओं पर सफेद हंस का डिजाइन बना हुआ है। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किए हुए हैं, जो उनके चेहरे को और भी निखार रहे हैं। इस लुक पर उन्होंने मेकअप भी बहुत हल्का और सॉफ्ट रखा है। गुलाबी लिपस्टिक, हल्का आईशैडो और काजल के साथ उनकी मुस्कान दिल को छू रही है।

चाहे मैं बेसमेंट में रहूँ

मैं वफ़ादार रहूँगी

बोल्ड चॉइसेज़ और बेबाक अंदाज़ के लिए जानी जाने वाली कुब्रा सैत, जिन्होंने थिएट्रिकल और डिजिटल दोनों प्लेटफॉर्म्स पर अपनी प्रतिभा साबित की है, अब एक बिल्कुल नए सफर की शुरुआत कर रही हैं–अपने पहले रियलिटी शो राइज़ एंड फॉल के साथ। अपनी अनफ़िल्टर्ड पर्सनैलिटी और वर्सेटिलिटी के लिए मशहूर एक्ट्रेस अब ऐसे मंच पर खुद को आज़मा रही हैं जहाँ अनप्रिडिक्टेबिलिटी ही असली नियम है। कुब्रा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने इस सफर के मायने बताए। अपनी ईमानदारी और गहराई से भरे अंदाज़ में उन्होंने कहा-मुझे अनजाने को खोजने का शौक है और यह मेरे लिए सबसे बेहतरीन अनुभव होने वाला है। मेरी ज़िंदगी के अनुभवों के हिसाब से, मैं कभी शासक बन सकती हूँ तो कभी मेहनतकश इंसान। मैं एक भरोसेमंद, ज़िम्मेदार इंसान हूँ। चाहे मैं बेसमेंट में रहूँ, मैं वफ़ादार रहूँगी। और हम ज़रूर उठेंगे। उनका यह बयान बिल्कुल वही दर्शाता है जिसकी उम्मीद उनके फैंस उनसे करते हैं– हिम्मत, यक़ीन और अटूट जज़्बा। यह राइज़ एंड फॉल के फॉर्मेट को भी बखूबी दर्शाता है, जहाँ कंटेस्टेंट्स को ऊँचाइयों और गहराइयों से गुज़रते हुए, लॉयल्टी, स्ट्रैटेजी और एडैप्टेबिलिटी की असली परीक्षा देनी पड़ती है। यह मौका है स्क्रिप्ट्स और किरदारों को पीछे छोड़कर खुद को असली और अनफ़िल्टर्ड रूप में पेश करने का। उनके शब्द यह जताते हैं कि वह केवल सर्वाइव ही नहीं करना चाहतीं, बल्कि मुश्किलों के बावजूद मजबूती से खड़ी होकर जीतना चाहती हैं। राइज़ एंड फॉल के साथ, कुब्रा अपने शानदार करियर में एक और अध्याय जोड़ रही हैं। फिल्मों और वेब-शोज़ में अपने स्टैंडआउट परफ़ॉर्मेंस की तरह ही अब वह रियलिटी शो की अनिश्चित दुनिया में भी उतनी ही ऊर्जा के साथ कदम रख रही हैं।

आशिकी 3 को लेकर मोहित सूरी ने तोड़ी चुप्पी

फिल्ममेकर मोहित सूरी ने हाल ही में बताया कि वो आशिकी 3 खुद डेवलप कर रहे थे, लेकिन खराब स्ट्राइक रेट की वजह से उन्हें इससे बाहर कर दिया गया। शुभंकर मिश्रा के साथ बातचीत में सूरी ने कहा कि वह आशिकी 3 डायरेक्ट करना चाहते थे, लेकिन स्टूडियो ने फैसला किया कि वह उनके बिना आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, उन्होंने मेरा इंतजार नहीं किया कि मैं स्क्रिप्ट को फाइन-ट्यून करूं। यह सच है कि उन्होंने हाल की फ्लॉप फिल्मों के आधार पर मुझे जज किया। यहां तक कि मेरे अपने परिवार वाले, जो डिसीजन में शामिल थे, इंतजार करने को तैयार नहीं थे। मैं उन्हें दोष नहीं देता, यह बिजनेस है, लेकिन मैं उन्हें गलत साबित करना नहीं चाहता था, मैं खुद को गलत साबित करना चाहता था।

आशिकी 2 का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था। फिल्म को टी-सीरीज फिल्म्स और विशेष फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया था। आशिकी 2 का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था। फिल्म को टी-सीरीज फिल्म्स और विशेष फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया था। मोहित ने मेंटल प्रेशर पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, जब आप लो होते हैं तो किसी की मत सुनो, वर्ना और नीचे गिर जाओगे। बीस साल काम करने के बाद जब फिल्म फ्लॉप हो जाए तो डर लगता है कि अच्छा वक्त पीछे छूट गया है। लोग पहले ही ऐसा कहना शुरू कर चुके थे। मोहित सूरी ने माना कि बॉक्स ऑफिस हिट के पीछे भागते-भागते असली रास्ता छूट गया। उन्होंने कहा, एक विलेन 2 में मैं सिर्फ बॉक्स टिक कर रहा था, सीक्वल बना रहा था, गानों का रीमिक्स कर रहा था, कई लीड्स कास्ट कर रहा था। मैं 16 करोड़ की ओपनिंग दोहराना चाहता था, लेकिन गलत वजह से फिल्म बना रहा था। नतीजा सबके सामने है।

मोहित सूरी ने यह भी कहा कि आशिकी 3 और आवारापन 2 खोने के बाद भी उन्हें अफसोस नहीं है। उन्होंने कहा, आशिकी मैं आदित्य और श्रद्धा के बिना कैसे बना सकता हूं? पहली फिल्म ने बड़ी ओपनिंग नहीं ली थी, लेकिन धीरे-धीरे कल्ट बन गई। आज ब्रांड नेम से प्रोजेक्ट बनाए जा रहे हैं। मुझे नहीं लगता मैं अब उस जगह फिट बैठता हूं। फिलहाल यह प्रोजेक्ट अनुराग बसु डायरेक्ट कर रहे हैं। इसमें कार्तिक आर्यन और श्रीलीला नजर आएंगी। हालांकि, फिल्म को अब तक आधिकारिक तौर पर आशिकी 3 नाम नहीं दिया गया है।

अभिनेत्री ग्रेसी ने गुपचुप रचाई शादी

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री ग्रेस एंटनी ने अचानक अपनी शादी की तस्वीरें साझा कर सभी को हैरान कर दिया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर फोटोज को शेयर किया है।

मलयालम एक्ट्रेस ग्रेस एंटनी ने अपने फैंस को तब बड़ा सरप्राइज दिया जब उन्होंने सोशल मीडिया पर अचानक अपनी शादी की तस्वीरें साझा कीं। फिल्मों में ग्लैमरस और दमदार किरदार निभाने वाली ग्रेस ने अपनी निजी जिंदगी का यह अहम फैसला बेहद सादगी और चुपचाप लिया। उन्होंने बिना किसी शोर-शराबे के सिंपल तरीके से शादी की। ग्रेस ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें पोस्ट कीं, उनमें वो दुल्हन के जोड़े में अपने पति का हाथ थामे नजर आ रही हैं। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा - न कोई आवाज, न रोशनी, न भीड़ज आखिरकार हमने कर दिखाया। जस्ट मेरिड। इस पोस्ट से उन्होंने अपनी शादी की खबर सबको दी। खास बात यह रही कि उन्होंने दूल्हे का चेहरा उजागर नहीं किया और समारोह में सिर्फ करीबी लोगों की मौजूदगी रही।

दूल्हे की पहचान पर रहस्य

हालांकि ग्रेस ने अपने पति का नाम या चेहरा सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन इंडस्ट्री में यह चर्चा है कि उन्होंने संगीत निर्देशक एबी के साथ सात फेरे लिए हैं। अब तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद, ग्रेस को शुभकामनाएं देने वालों में इंडस्ट्री के कई बड़े नाम शामिल रहे।

अभिनेत्री का फिल्मी सफर

ग्रेस एंटनी ने अपने करियर की शुरुआत छोटे-छोटे किरदारों से की थी, लेकिन उन्हें पहचान मिली कुंबलंगी नाइट्स से, जिसमें उन्होंने फहद फासिल की पत्नी का रोल निभाया था। इस फिल्म ने उन्हें रातों-रात लोकप्रियता दिलाई। हाल ही में रिलीज हुई ओटीटी सीरीज नागेंद्रन'स हनीमून में भी उनके अभिनय की काफी चर्चा हुई थी।

अचानक हुई शादी से हैरान फैंस

ग्रेस की शादी की खबर ने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि उन्होंने पहले कभी भी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कोई घोषणा नहीं की थी। यही वजह है कि जब तस्वीरें सामने आईं तो सोशल मीडिया पर यह खबर तुरंत वायरल हो गई।

मैंने कभी भी सेफ चॉइस नहीं की वह मेरे डीएनए में ही नहीं

हेट स्टोरी 2 जैसी बोल्ड फिल्म से डेब्यू करने वाली सुरवीन चावला ने अग्ली, पार्च्ड, सेक्रेड गेम्स जैसी लीक से हटकर फिल्में और सीरीज करके बतौर ऐक्टर अपनी अलग जगह बनाई है। इस साल चार वेब शोज क्रिमिनल जस्टिस 4, मंडला मर्डर्स, राणा नायडू 2 और अंधेरा में नजर आईं सुरवीन से विविध पहलुओं पर की खास बातचीत।

आपने हेट स्टोरी 2, पार्च्ड से लेकर सेक्रेड गेम्स और हालिया शो अंधेरा तक में हमेशा बोल्ड और लीक से हटकर किरदार चुने हैं। क्या पैमाना रहता है आपका किरदार चुनने का?

मेरे पास आते ही ऐसे आड़े-टेढ़े रोल हैं, वरना मेरा सिंपल, नाच-गाने वाला हल्का-फुल्का काम करने का बहुत मन करता है। वो जो हार्ड कोर कमर्शल फिल्में होती हैं ना, वो मेरा फेवरिट है। मैंने पंजाबी और दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं ऐसी मेनस्ट्रीम नाच-गाने वाली लव स्टोरी फिल्में की भी बहुत हैं, मगर अभी कॉन्टेंट थोड़ा अलग हो गया है। डार्क कॉन्टेंट ज्यादा बन रहा है, पर मैं बतौर दर्शक हल्का-फुल्का कॉन्टेंट देखना भी चाहूंगी और उसका हिस्सा भी बनना चाहूंगी। मेरा मानना है कि आप शुरू में जैसा काम करते हैं, वैसा ही आगे मिलता है और मैंने कभी भी सेफ चॉइस नहीं की। वह मेरे डीएनए में ही नहीं है। मैं यह सोचकर हां नहीं करती कि यह रिस्की है तो करना चाहिए। आज मेरे लिए काम, परिवार के साथ मेरा बच्चा भी मेरी प्राथमिकता है, तो मैं वो काम करना चाहूंगी, जिसे करके वही खुशी मिले, जो एक लंबे दिन के बाद मुझे अपने बच्चे को देखकर मिलती है। उस काम को लेकर मेरी आंखों में वही उत्साह और चमक होनी चाहिए।

रणजी ट्रॉफी में बंगाल के काजी जुनैद सैफी बने पहले इंजरी रिप्लेसमेंट

एजेंसी

कोलकाता : बंगाल के बल्लेबाज काजी जुनैद सैफी ने सोमवार को रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में पहले इंजरी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में इतिहास रच दिया। उन्होंने गुजरात के खिलाफ ईडन गार्डन्स में चल रहे मुकाबले में घायल सुदीप चटर्जी की जगह ली। ओपनर सुदीप चटर्जी को रविवार को फील्डिंग के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके चलते वे आगे खेलने में असमर्थ रहे। उनकी जगह सैफी को दूसरी पारी में नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में उतारा गया। हालांकि, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 11 गेंदों पर सिर्फ एक रन बनाया और सिद्धार्थ देसाई की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हुए। पहली पारी में चटर्जी ने 12 गेंदों पर 3 रन बनाए थे। गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सत्र से इंजरी रिप्लेसमेंट नियम लागू किया है, जिसके तहत गंभीर रूप से घायल खिलाड़ियों की जगह समान भूमिका वाले खिलाड़ी को मैदान में उतारने की अनुमति दी गई है। यह नियम हाल ही में समाप्त हुई दलीप ट्रॉफी में भी लागू किया गया था, जब विकेटकीपर हर्विक देसाई की जगह महाराष्ट्र के सौरभ नवले को उतारा गया था। यह भारतीय घरेलू क्रिकेट में पहली बार इंजरी सब्सटीट्यूट का उपयोग था, जबकि रणजी ट्रॉफी में यह अवसर काजी जुनैद सैफी को मिला।

रायपुर: मौसम विभाग का दक्षिण छत्तीसगढ़ के पांच जिलों के लिए किया रेड अलर्ट

एजेंसी

रायपुर : चक्रवात ह्यमोन्थाह्न के असर को देखते हुए मौसम विभाग ने दक्षिण छत्तीसगढ़ के पांच जिलों नारायणपुर, बस्तर, बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने अगले 3 दिनों तक राज्य में तेज हवाओं और भारी बारिश की चेतावनी दी है।मंगलवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई। बारिश के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे राज्य के कई इलाकों में हल्की ठंड का अहसास बढ़ गया है। अंतागढ़ और कोयलीबेड़ा इलाके में पिछले दो दिनों से हो रही बारिश ने धान की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है।कई जगहों पर कटकर रखी फसल पानी में डूब गई है, वहीं आंधी-तूफान से खेतों में खड़ी फसल भी झुककर बर्बाद हो गई है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के जिलों बलरामपुर और सरगुजा में भी बंगाल की खाड़ी में बने निम्नदाव का प्रभाव देखा गया। सरगुजा संभाग के कुछ इलाकों में मंगलवार रात बारिश हुई । जानकारी के मुताबिक इस दौरान अगले दो से तीन दिनों तक बस्तर में आसमान पर काले बादल छाए रहेंगे, साथ ही तेज बारिश की भी संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग ने बताया कि, हवाओं की रफ्तार 60 से 70 किमी प्रति घंटे तक जा सकती है। अधिकतम 80 किमी की गति तक पहुंचने का अनुमान है। तेज हवाओं और बारिश का फसलों पर सीधा असर पड़ेगा। खड़ी फसलें गिर सकती हैं और जिनकी कटाई हो चुकी है, वे भी भीगने का खतरा है। कृषि मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे फसलों को सुरक्षित स्थान पर रखें और भंडारण को मजबूत करें। मौसम विभाग ने रायपुर, दुर्ग और बस्तर संभाग में भी तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क और सुरक्षित रहने की अपील की है।

राजस्थान में चक्रवात के असर से झमाझम बरसात, भीलवाड़ा में पारा 20 डिग्री से नीचे

जयपुर : अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तंत्रों के असर से राजस्थान में बीते दो दिनों से बारिश का दौर लगातार जारी है। बुधवार को भी प्रदेश के 11 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं मंगलवार को कई जिलों में पांच इंच तक बारिश हुई, जिससे नदियां-नाले उफान पर आ गए और मौसम में ठंडक घुल गई। मंगलवार को जयपुर, अजमेर, बीकानेर, भरतपुर, उदयपुर और कोटा संभाग के अधिकांश जिलों में दिनभर बादल छाए रहे और ठंडी हवा चलीं। दोपहर बाद हल्की शीतलहर का अहसास होने लगा। इन इलाकों में अधिकतम तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। इस बारिश से सबसे ज्यादा असर भीलवाड़ा जिले में देखने को मिला, जहां दिन का अधिकतम तापमान केवल 19.6 डिग्री सेल्सियस मापा गया। यह अब तक का सीजन का सबसे ठंडा दिन रहा। आश्चर्य की बात यह रही कि भीलवाड़ा का दिन का तापमान कई जिलों जैसे बाड़मेर, जोधपुर, बीकानेर, डूंगरपुर, जालोर, प्रतापगढ़ और झुंझुनूं के रात के न्यूनतम तापमान से भी कम रहा। यानी भीलवाड़ा में दिन में ही इतनी ठंड रही, जितनी अन्य जगहों पर रात में भी नहीं थी। मौसम केंद्र जयपुर और जल संसाधन विभाग के अनुसार मंगलवार को सबसे ज्यादा बारिश बूंदी के नैणवा में 130 मिलीमीटर (लगभग पांच इंच) हुई। इसके अलावा भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा, उदयपुर, प्रतापगढ़, बारां और बांसवाड़ा में भी तीन से चार इंच तक बरसात हुई। भारी बारिश से बीसलपुर बांध में पानी की आवक फिर से शुरू हो गई है। प्रशासन ने बांध का एक गेट खोलकर पानी की निकासी की। उधर, उदयपुर में झीलों का जलस्तर बढ़ने के बाद वहां से भी अतिरिक्त पानी छोड़ा गया। इन इलाकों में बारिश के कारण दिन और रात के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट आ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 30 अक्टूबर की शाम से बारिश की गतिविधियां धीरे-धीरे कम होंगी और आसमान साफ होना शुरू हो जाएगा। इसके बाद दो नवंबर तक प्रदेश का मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन रात के तापमान में गिरावट आएगी।

धमतरी में मोंथा तूफान का असर, बेमौसम बारिश से बढ़ी किसानों की चिंता

धमतरी : बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान मोंथा का असर धमतरी जिले में भी देखने को मिल रहा है। बुधवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर हल्की बारिश के साथ ठंडी हवाएं चलती रहीं। मौसम में आए अचानक बदलाव से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिन का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा। ठंडी हवाओं से वातावरण में ठिठुरन का अहसास होने लगा है और लोगों की सेहत पर भी इसका असर देखा जा रहा है। अचानक हुई बेमौसम बारिश ने खरीफ सीजन की तैयार धान फसल की कटाई-मिंजाई में लगे किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में गिरी फसल भीगने लगी है, जिससे धान की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। कई किसानों ने बारिश की आशंका को देखते हुए अपने खेतों में रखे बीड़ा को एकत्रित कर घरों में या तिरपाल व पॉलीथिन से ढककर सुरक्षित करने की व्यवस्था की है। दिवाली के बाद से मौसम का मिजाज लगातार बिगड़ा हुआ है। बीते तीन दिनों से जिले में छिटपुट बारिश का दौर जारी है। मंगलवार के बाद बुधवार को भी हल्की बारिश हुई, जिससे खेतों में नमी बढ़ गई और फसल कटाई का कार्य प्रभावित हुआ। किसान खेत गीला होने के कारण हार्वेस्टर मशीनें भी नहीं चला पा रहे हैं। ग्राम अजुनी के जोहत सिन्हा, अनिल कुमार साहू सहित अन्य किसानों का कहना है कि अगर आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला यूं ही जारी रहा तो तैयार फसल को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। कई किसानों ने बताया कि कटाई-मिंजाई के बाद धान की चमक फीकी पड़ गई है, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। मौसम विभाग ने भी आने वाले दिनों में हल्की बारिश की संभावना जताई है, जिससे किसानों की बेचैनी और बढ़ गई है। धमतरी जिले के चारों ब्लॉक धमतरी नगरी कुरूद मगरलोड में जिले के किसानों ने बड़े पैमाने पर खरीफ फसल के रूप में धान की फसल लगाई हुई है। फसल कटाई के समय बेमौसम बारिश से फसल को लगातार नुकसान हो रहा है। किसान चाहकर भी हार्वेस्टर मशीन से फसल कटाई भी नहीं कर पा रहे क्योंकि खेत गीला है ऐसे में किसानों को फसल के नुकसान होने की चिंता सता रही है। अब किसानों को साफ मौसम का इंतजार है ताकि वे खेतों में फसल कटाई का कार्य तेजी से पूरा कर सकें।

मध्य प्रदेश में 'मोंथा' तूफान का दिखेगा असर, तीन सिस्टम भी एक्टिव, आज 11 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

भोपाल : मध्य प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। मंगलवार को ग्वालियर, शिवपुरी और रतलाम समेत कई जिलों में बारिश हुई, जबकि राजधानी भोपाल, इंदौर में आंधी का असर रहा। आज बुधवार को छिंदवाड़ा-बालाघाट समेत 11 जिलों में बारिश होने की संभावना है। अगले चार दिन ऐसा ही मौसम रहेगा। वहीं, प्रदेश में ह्यमोंथाह्न का असर भी देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर में एक डिप्रेशन एक्टिव है, जिससे एक टर्फ मध?य प्रदेश के पास से गुजर रही है। वहीं, उत्तरी हिस्से में एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन भी सक्रिय है। इस वजह से प्रदेश में बारिश का दौर चल रहा है। दूसरी ओर, तूफान 'मोंथा' की वजह से तेज आंधी का दौर है। अगले 24 घंटे के दौरान सिस्टम का असर बढ़ेगा और कई जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इस सिस्टम की वजह से अगले चार दिन तक प्रदेश में बारिश होने के आसार हैं। अगले 24 घंटे के दौरान श्योपुर, मुरैना, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी और अनूपपुर में तेज बारिश हो सकती है। प्रदेश के बाकी के जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक का दौर बना रहेगा।

भारत-ईयू के बीच एफटीए पर साल के अंत तक हो सकता है समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ब्रसेल्स यात्रा के दौरान भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सकारात्मक बातचीत हुई। गोयल ने 26 से 28 अक्तूबर तक यूरोपीय आयोग के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मरोस शेफचोविच और उनकी टीम से मुलाकात की, जिसमें दोनों पक्षों ने एफटीए से जुड़े बचे हुए मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। दोनों देशों के बीच इस साल के अंत तक समझौता होने की उम्मीद है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, इस बातचीत में दोनों पक्षों ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि एफटीए संतुलित, समान और पारदर्शी हो, जो भारत और यूरोपीय संघ के बीच गहरे भरोसे और रणनीतिक साझेदारी को दर्शाए। यह वार्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के उस निर्देश के जैसी रही, जिसमें इसी साल फरवरी में नई दिल्ली में हुए ह्यकॉलेज ऑफ कमिश्नर्सह्न दौरे के दौरान समझौते को वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया था। भारत ने चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया कि समझौता टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधा, दोनों को समान रूप से संबोधित करे और भविष्य में व्यापार के लिए पारदर्शी व पूर्वानुमेय ढांचा तैयार किया जाए। गैर-टैरिफ उपायों और यूरोपीय संघ के नए नियमों को लेकर भारत की चिंताओं पर विस्तृत चर्चा हुई। गोयल ने श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए विशेष रियायत की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों पक्षों ने गैर-संवेदनशील औद्योगिक टैरिफ लाइनों को अंतिम रूप देने पर सहमति जताई, जबकि इस्पात, ऑटो, सीबीएएम (कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म) और अन्य नियामक विषयों पर आगे और विचार-विमर्श करने की बात कही गई। मंत्रालय ने बताया कि चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए यूरोपीय संघ का तकनीकी दल अगले सप्ताह भारत का दौरा करेगा।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर रेलवे सुरक्षा बल का विशेष जांच अभियान

कटिहार : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल और एनएफसीटीओ पटना की संयुक्त टीम द्वारा ट्रेनों एवं स्टेशनों पर व्यापक जांच और निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान में आरपीएफ, जीआरपी, स्टेशन प्रबंधन और के-9 डॉग स्क्वॉड की टीम द्वारा कटिहार रेलमंडल के स्टेशन पर रुकने वाली विभिन्न ट्रेनों, प्लेटफॉर्मों और रेलवे परिसरों में संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। जांच के दौरान यात्रियों के सामानों की भी गहन जांच की गई ताकि शराब, विस्फोटक या किसी भी प्रतिबंधित वस्तु की आवाजाही पर रोक लगाई जा सके। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई निर्वाचन के मद्देनजर रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से की जा रही है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, और चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अवांछित घटना को रोकने के लिए यह निगरानी अभियान लगातार जारी रहेगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अंबाला में राफेल में उड़ान भरने को तैयार

एजेंसी

अंबाला (हरियाणा) : देश की तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर और राष्ट्रपति द्रौपदी यहां स्थित वायुसेना स्टेशन पहुंच चुकी हैं। वो अब से कुछ देर बाद वायुसेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल में एक सॉर्टी (उड़ान) भरेंगी। यह अवसर भारतीय वायुसेना के लिए गौरव का क्षण होगा। राष्ट्रपति को यहां पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राफेल लड़ाकू विमान में उड़ान भरने के लिए अंबाला वायुसेना स्टेशन पहुंचीं हैं। राष्ट्रपति वायुसेना स्टेशन का दौरा भी करेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार, इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मु आठ अप्रैल, 2023 को असम के तेजपुर वायुसेना केंद्र पर सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में उड़ान भर चुकी हैं। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय वायुसेना के पायलटों के साथ अनुभव साझा करते हुए वायुसेना की दक्षता, अनुशासन और समर्पण की सराहना की थी। उल्लेखनीय है कि अंबाला वायुसेना स्टेशन राफेल स्क्वाड्रन की तैनाती का प्रमुख केंद्र है। इसे देश की हवाई सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के यहां के दौरे के दौरान वायुसेना प्रमुख के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। इस उड़ान के माध्यम से राष्ट्रपति भारतीय वायुसेना के पराक्रम, तकनीकी दक्षता और सैन्य शक्ति के योगदान को एक बार फिर सलाम करेंगी।

सराफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में सोने और चांदी के भाव में गिरावट लगातार जारी है। आज के कारोबार में सोना 2,250 रुपये से लेकर 2,460 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,20,810 रुपये से लेकर 1,20,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,10,740 रुपये से लेकर 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 1,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,20,960 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,20,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,10,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,20,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,20,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,10,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,20,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,10,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,20,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,10,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली तेजी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मामूली बढ़त के साथ ही हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। सेंसेक्स 0.16 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत की मजबूती कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एनटीपीसी और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर 2.63 प्रतिशत से लेकर 0.67 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर श्रीराम फाइनेंस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और अपोलो हॉस्पिटल के शेयर 0.64 प्रतिशत से लेकर 0.22 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,064 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,224 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 840 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 12 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 33 शेयर हरे निशान में और 17 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 35.52 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 84,663.68 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में उतार- चढ़ाव शुरू हो गया। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 84,916.10 अंक तक पहुंचा, वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 84,638.68 अंक तक गोता भी लगाया। राहत की बात यही रही कि अभी तक के कारोबार में ये सूचकांक लगातार हरे निशान में ही बना रहा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 132.02 अंक की मजबूती के साथ 84,760.18 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

न्यूज IN ब्रीफ

पुलिस के सामने दबंगो ने महिला को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

फरुर्खाबाद : उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद स्थित शमसाबाद थाना क्षेत्र में महाभारत की द्रोपदी की तरह पुलिस के सामने महिला का चीर हरण उसके ससुराली जन करते रहे। मौके पर मौजूद 112 पुलिस बीच बचाव में जुटी रही। मामला गांव पहाड़पुर बैरागपुर का है।जहाँ एक महिला को उसके मायके वाले बिदा कराने आये थे। जिस पर ससुराल वालों ने बिदा करने से इनकार कर दिया। इसको लेकर ससुराली जनों और मायके वालों में विवाद हो गया। महिला ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस के सामने दबंगो ने महिला को दौड़ा दौड़ा कर पीटा। उसके पिता व भाई की भी पुलिस के सामने पिटाई कर दी। अपना बचाव करने के लिए महिला पुलिस की गाड़ी में बैठ गई, लेकिन दबंगो ने उसे गाड़ी से खींच कर पुनः जम कर पिटाई कर दी। पुलिस मूक दर्शक बनी रही। दबंगों के महिला को पुलिस के सामने मारपीट करने का बीडीओ सोशल मीडिया पर वायरल होगया। एसपी आरती सिंह ने बताया कि पुलिस के सामने महिला व उसके परिजनों को मारपीट करने वालो के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। थाना पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दे दिए गए है।

छत्तीसगढ़: ठेकेदारों और सप्लायरों के ठिकानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू की छापेमारी

रायपुर : छत्तीसगढ़ में डीएमएफ घोटाले की जांच में जुटी एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने आज (बुधवार) प्रदेश के कई ठेकेदारों और स्पालायरों के ठिकानों पर छापा मारा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग और कुरुद में 12 कारोबारियों के ठिकानों पर दस्तावेजों और इलेक्ट्रानिक उपकरणों की जांच की जा रही है। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, रायपुर में 5 ठिकानों पर दबिश दी गई है। वहीं, दुर्ग में 2, राजनांदगांव में 4 और कुरूद में 1 कारोबारी के घर पर छापे की कार्रवाई जारी है। इन ठिकानों पर दस्तावेजों और इलेक्ट्रानिक उपकरणों की जांच की जा रही है। ईओडब्ल्यू की टीम ने रायपुर के वॉलफोर्ड एनक्लेव सोसायटी में भी छापा मारा है। राजनांदगांव में एक साथ तीन स्थानों पर दबिश देकर बड़ी कार्रवाई की। रायपुर से पहुंची टीम ने भारत माता चौक स्थित राधा कृष्ण एजेंसी के संचालक अग्रवाल परिवार के निवास, सत्यम विहार में यश नाहटा के घर और कामठी लाइन स्थित ललित भंसाली के यहां छापा मारा है। सुबह करीब छह बजे पहुंची ईओडब्लू की टीम लगभग दस वाहनों के काफिले में यहां पहुंची है । टीम सम्बंधितों के ठिकाने में दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच कर रही है।ईओडब्लू की यह कार्रवाई खनन (माइनिंग) से जुड़े कारोबारियों, बड़े सप्लायर और ब्रोकर से संबंधित बताई जा रही है। टीम संबंधित लोगों के वित्तीय लेन-देन और ठेकों की जानकारी जुटा रही है।

एपीएल के विस्तार में 2,000 करोड़ का निवेश: मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि एक समय था जब अस्थिर नीतियों और सुरक्षा से जुड़ी परिस्थितियों के कारण निवेशक असम में आने से हिचकिचाते थे, लेकिन आज असम भारत के विकास के प्रमुख केंद्रों में से एक बन चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि घरेलू और वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एपीएल) के मिथेनॉल और फॉर्मेलिन उत्पादन का विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह निवेश न केवल औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा और असम को पूर्वोत्तर भारत का एक सशक्त औद्योगिक गंतव्य बनाएगा।

धान व बाजरा की खरीद 1 नवंबर से, प्रशासन ने की पूरी तैयारी

औरैया : उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया में धान व बाजरा खरीद को लेकर प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि क्रय एजेंसियों, केंद्र प्रभारियों व मिलर्स के साथ बैठक कर 1 नवंबर से हर हाल में खरीद शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी स्तर पर परेशानी न हो, इसके लिए सभी अधिकारी केंद्रों पर समय से उपस्थित रहें और किसानों से मधुर व्यवहार बनाए रखें। डीएम ने स्पष्ट चेतावनी दी कि लापरवाही या किसानों से धन उगाही की शिकायत मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पराली न जलाने की अपील करते हुए किसानों से कहा कि एक ट्राली पराली गौशाला को दें और बदले में गोबर की खाद प्राप्त करें, जिससे खेत व पर्यावरण दोनों को लाभ होगा। उन्होंने उप जिलाधिकारियों को किसान पंजीकरण व सत्यापन कार्य को प्राथमिकता पर पूर्ण करने और खरीदे गए अनाज का त्वरित भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पिछले वर्ष जिले 26 केंद्रों पर 4,244 किसानों से 32,326.41 मीट्रिक टन धान खरीदा गया था। इस बार 24 केंद्र संचालित किए जाएंगे और अब तक 456 किसानों ने पंजीकरण कराया है। बाजरा खरीद में अब तक 14 केंद्रों पर 30 किसानों से 946 क्विंटल खरीद हो चुकी है। किसानों की शिकायतों के निस्तारण हेतु जिला खाद्य विपणन अधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। किसान 05683-249668 या 8564098675, 7078640500 पर संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज बिहार दौरे पर, चुनाव के लिए प्रचार प्रसार में होंगे शामिल

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज बुधवार को बिहार जाएंगे। वे यहां विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए प्रचार करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव कटोरिया, नाथनगर और आलमनगर विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे और बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाएंगे। तय कार्यक्रम के मुताबिक, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार सुबह 8 बजे भोपाल के अटल पथ जाएंगे। यहां रन फॉर साइबर अवेयरनेस साइबर अपराध/सुरक्षा कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। 08:50 बजे भोपाल से पटना (बिहार) के लिए रवाना होंगे। 11.30 बजे बांका जिले के हाई स्कूल मैदान कटोरिया में जनसभा, दोपहर 12:50 बजे भागलपुर के नाथनगर विधानसभा के जगदीशपुर हाईस्कूल मैदान में जनसभा, 02.20 बजे मधेपुरा के आलमनगर के बीआरसी खेल मैदान मध्य विद्यालय पुरैनी आलमनगर में जनसभा और 03:10 बजे आलमनगर से पटना-भोपाल के लिए रवाना होंगे। इसके बाद शाम 05:50 बजे भोपाल वापस लौटेंगे। यहां मुख्यमंत्री निवास में रात 9 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करेंगे।

पुलिस ने मारपीट के आरोपी को भेजा जेल

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना पुलिस ने मारपीट मामले के एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के मनिहारी टोला भट्ठा गांव में हुई मारपीट मामले को लेकर जमाल शेख 48 ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराया था। जिसमें आरोप लगाया था कि गांव के ही रबीउल मोमिन ने उसके साथ मारपीट कर उसे जख्मी कर दिया था। इस मामले में पीड़ित जलाल शेख ने थाना में आवेदन देकर कार्यवाही की गुहार लगाया गया था। पीड़ित के आवेदन पर पुलिस ने कांड संख्या 444/25 दर्ज कर छानबीन कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रबीउल मोमिन को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी को पुलिस ने मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

झारखण्ड में उर्दू की उपेक्षा — पहचान पर संकट : गुलाम शाहिद

चक्रधरपुर: झारखण्ड राज्य के गठन को अब बाईस वर्ष बीत चुके हैं। यह राज्य सामाजिक, भाषाई और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है, लेकिन दुखद सच्चाई यह है कि इस विविधता की एक अहम पहचान – उर्दू भाषा – लगातार सरकारी उपेक्षा का शिकार बनी हुई है। राज्य सरकार ने वर्षों पहले उर्दू को दूसरी राजभाषा का दर्जा देकर एक ऐतिहासिक निर्णय अवश्य लिया था, किंतु व्यवहार में यह दर्जा केवल कागजों तक सीमित रह गया है शासन-प्रशासन में उर्दू का उपयोग न के बराबर है, और इससे जुड़ी संस्थाएँ जैसे उर्दू अकादमी अब तक अस्तित्व में नहीं आ सकीं। यह स्थिति न केवल निराशाजनक है, बल्कि झारखण्ड की सामाजिक न्याय और भाषाई समानता की भावना पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है।

वर्तमान में गठबंधन की सरकार है और उसमें दो मंत्री अल्पसंख्यक समुदाय से हैं, फिर भी उर्दू के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। अनुवादकों की बहाली रुकी हुई है, उर्दू शिक्षकों की नियुक्तियाँ अधर में हैं, और अब आलिम- फाज़िल डिग्री की मान्यता पर भी संकट गहराने लगा है। उर्दू केवल एक भाषा नहीं, बल्कि यह इस क्षेत्र की तहजीब, अदब और साझा संस्कृति की पहचान है। इसे कमजोर करना दरअसल हमारी मिली-जुली विरासत को कमजोर करना है। सरकार यदि सचमुच समानता, बहुलता और सांस्कृतिक न्याय की बात करती है, तो उसे उर्दू के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। राज्य में उर्दू अकादमी का गठन, सरकारी आदेशों में उर्दू का प्रयोग, अनुवादकों की बहाली और उर्दू शिक्षा की मजबूती – ये कुछ बुनियादी कदम हैं जो अब और टाले नहीं जा सकते।

झारखण्ड की जनता को भी यह समझना होगा कि भाषाई विविधता किसी समुदाय की नहीं, बल्कि पूरे राज्य की ताकत होती है। अगर उर्दू कमजोर होगी, तो झारखण्ड की पहचान भी अधूरी रह जाएगी। उर्दू को उसका हक दीजिए – क्योंकि यह सिर्फ.जुबान नहीं, यह हमारी तहजीब की आवाज है।

महिला से छेड़छाड़ का आरोपी भेजा गया जेल

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उत्तरी बेगमगंज गांव में छापेमारी कर छेड़खानी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार गांव के ही एक महिला ने एक व्यक्ति पर घर में घुसकर छेड़छाड़ व दुष्कर्म करने के प्रयास का आरोप लगाया था। इस संबंध में पीड़िता महिला ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता महिला ने अपने आवेदन में बताया था कि बीते 9 अक्टूबर रात्रि लगभग 11 बजे जब वह अपने घर में सोई हुई थी, उसी दौरान गांव के लक्खीराम मंडल अनाधिकृत रूप से उसके घर की चारदीवारी फांदकर अंदर घुस आया था। जहां आरोपी ने चाकू का भय दिखाकर उसके साथ छेड़छाड़ की और जबरदस्ती दुष्कर्म करने का प्रयास किया था। जब उसने शोर मचाया तो आरोपी छत से कूदकर भाग निकला था। मामले को लेकर आरोपी के विरुद्ध कांड संख्या 442/25 दर्ज किया गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके घर में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी लखीराम मंडल को सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

बंदगांव व कराईकेला में धूमधाम से मनाया गया महापर्व छठ

बंदगांव : कराईकेला एवं बंदगांव में सूर्य उपासना के महापर्व छठ की छटा हर ओर देखने का मिली। चार दिवसीय इस महापर्व के तीसरे दिन दोपहर से ही छठ घाटों पर व्रती महिलाओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। तमाम महिलाएं गाजे बाजे के साथ घाटों पर पहुंचीं। कुछ देर पानी में खड़े होने के बाद शुभ मुहूर्त में अस्ताचलगामी सूर्य को व्रती महिलाओं ने अर्घ्य दिया। तालाब तट पर बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंची थी। यहां भीड़ इतनी हो गई कि पैदल चलना मुश्किल हो गया था।मंगलवार की शुबह जैसे-जैसे अर्घ्य देने का समय निकट आया घाटों पर छठ माता के जयकारे गूंजने लगे। सुबह अरुण देव की लालिमा निहारते हुए महिलाओं ने माता का आह्वान किया। परिवार के पुरुष सदस्यों और पंडितों ने सूर्य देव को अर्घ्य दिलाया। बड़ी संख्या में महिलाएं तालाब में पहुंची और सूर्य को अर्घ्य देकर संतान की दीघार्यु के लिए प्रार्थना की। इस दौरान छठ माता के गीत वातावरण में गूंज रहे थे। सूर्य देवता को अर्घ्य देने के पश्चात छठ माँ के भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह ने कहा कि छठ व्रत सूयोर्पासना और षष्ठी देवी की आराधना का अद्वितीय संगम है। छठ पूजा में डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, दीघार्यु और कल्याण की कामना की जाती है। उन्होंने कहा माना जाता है कि सूर्यदेव जीवन, ऊर्जा और स्वास्थ्य के प्रतीक हैं, वहीं छठी मैया संतान और परिवार की रक्षा करती हैं। इसलिए यह पर्व श्रद्धा, तप और भक्ति का अद्भुत संगम माना जाता है। समाजसेवी विवेक सिंह विक्की ने कहा कि सनतान परंपरा में छठ महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन दर्शन, आत्मशुद्धि और सामाजिक सामंजस्य का महोत्सव है। पूजा के दौरान कराईकेला एवं बंदगांव पुलिस उपस्थित थी। पूजा शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ। इस मौके पर बीडीओ भीषम कुमार, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष रमेश सिंह,विवेक सिंह,राजेंद्र मछुआ,टिलू सिंह समेत काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

भाजपा का कोल्हान बंद : चाईबासा की सड़कों पर पसरा रहा सन्नाटा, जनजीवन प्रभावित

संवाददाता

चाईबासा: जिले में आदिवासियों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में आदिवासी सामाजिक संगठनों और भाजपा द्वारा बुलाए गए कोल्हान बंद का असर बुधवार को चाईबासा समेत कई इलाकों में दिखने लगा है। चाईबासा में बंद को सफल बनाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। ताम्बो चौक, सदर बाजार, बस स्टैंड और शहीद पार्क के पास कार्यकर्ताओं ने दुकानों को बंद कराया। सुबह खुले कई पेट्रोल पंप और प्रतिष्ठानों को भी बंद कराया गया। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने चाईबासा में ग्रामीणों पर हुए लाठीचार्ज पर हेमंत सरकार के खिलाफ कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि संथाल परगना को बचाना है उसे किसी अन्य धर्म या समुदाय का परगना बनने नहीं देंगे। चाईबासा की घटना को लेकर चंपाई सोरेन ने बुधवार को कोल्हान बंद का आह्वान किया है। जमशेदपुर में मीडिया से बातचीत करने के बाद चंपाई सोरेन का काफिला चाईबासा की ओर रवाना हुआ। लेकिन चाईबासा में प्रवेश करने से पूर्व ही कुज्जू सीमा पर जिला प्रशासन ने उन्हें रोक दिया। उन्होंने कुज्जू में ग्रामीणों से मुलाकात की और वर्तमान हालात पर चिंता जताई।

कुज्जू में मीडिया से बातचीत करने के दौरान चंपाई सोरेन ने कहा कि अब राज्य भर में आदिवासी संगठन एकजुट होकर सरकार के इस दमनकारी रवैये के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं। जब भी हमारे अधिकारों पर हमला होगा, हम सड़कों पर उतरकर उसका जवाब देंगे। यह संघर्ष हमारी अस्मिता का है। इससे पहले भाजपा विधायक चंपाई सोरेन मंगलवार को जमशेदपुर पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान प्रदेश की हेमंत सरकार पर जमकर प्रहार किया। साथ ही कई मुद्दों को लेकर सरकार पर जमकर प्रहार किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने चाईबासा लाठीचार्ज की घटना पर अपना आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस राज्य में आदिवासियों की रक्षा नहीं हो रही है। आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में है भोगनाडीह सिमर टोली नगड़ी के बाद अब चाईबासा की यह घटना साफ बता रही है कि इस राज्य में आदिवासियों की दशा और दिशा क्या है।

'संथाल परगना को बचाना है' : उन्होंने कहा कि झारखंड के संथाल परगना को किसी अन्य धर्म या समुदाय परगना नहीं बनाना है संथाल को बचाना है। चंपाई सोरेन ने कहा कि सोमवार देर रात झारखंड की महागठबंधन सरकार ने चाईबासा में नो एंट्री की मांग लेकर आदिवासियों के आंदोलन को कुचलने की जिस प्रकार कोशिश की है उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम होगी।

उन्होंने कहा कि उन आदिवासियों का क्या कसूर था, उस क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर वे दिन में भारी वाहनों के लिए नो एंट्री की मांग कर रहे थे। लेकिन सरकार द्वारा उन आंदोलनकारियों पर लाठियां बरसाई गईं और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। पहले भोगनाडीह में वीर सिदो-कान्हू के वंशजों पर लाठीचार्ज, फिर गोड्डा में समाजसेवी सूर्या हांसदा का फर्जी एनकाउंटर, फिर नगड़ी में अपनी जमीन बचाने के लिए आंदोलनरत किसानों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस से हमला किया गया।

इससे साफ प्रतीत होता है कि झारखंड की सरकार ने आदिवासियों को सबसे आसान टारगेट समझ रखा है। आज आवाज उठाने वालों के खिलाफ अनगिनत फर्जी एफआईआर, पुलिसिया प्रताड़ना हो रहा है। आदिवासियों एवं मूलवासियों की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। क्या यही सब देखने के लिए अलग झारखंड राज्य बनाया गया था।

'कहीं उनका भी एनकाउंटर न कर दे': चंपाई सोरेन ने कहा कि चाईबासा लाठीचार्ज के बाद पुलिस ने चार को जेल भेज दिया है जबकि 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है लेकिन वे कहां हैं। इसकी जानकारी नहीं है कहीं पुलिस उनका भी इंकाउंटर ना कर दे। वहीं चाईबासा में बच्चे को संक्रमित रक्त चढ़ाने के मामले मे चंपाई सोरेन ने कहा कि उनका जीवन इस सरकार ने बर्बाद कर दिया और इस अपराध की कीमत 2 लाख लगाई गई, उसमें में अधिकतर बच्चे आदिवासी समुदाय के हैं।

चाईबासा में नो-एंट्री आंदोलन पर बवाल, भिड़े पुलिस- ग्रामीण

चाईबासा: सोमवार देर रात तांबो चौक पर उस समय हालात बिगड़ गए जब नो एंट्री आंदोलन को लेकर ग्रामीणों और पुलिस के बीच जोरदार झड़प हो गई। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू कर दिया, जिसके जवाब में पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। अचानक हुए बवाल से पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई। इस दौरान सदर एसडीपीओ बहामन टूटी का वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया।

ग्रामीणों की मांग है कि एनएच 220 और चाईबासा बाईपास पर दिन के समय भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई जाए। उनका कहना था कि इन वाहनों की वजह से लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं और कई लोगों की जान जा चुकी है। सोमवार को सैकड़ों ग्रामीण परिवहन मंत्री दीपक बिरुवा के आवास का घेराव करने जा रहे थे लेकिन पुलिस ने सभी को तांबो चौक पर रोक दिया। इसके बाद ग्रामीण वही धरने पर बैठ गए।

भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया : धरना देर शाम तक चलता रहा। ग्रामीणों ने सड़क पर ही चूल्हा जलाकर खाना बनाया और नृत्य गान भी किया। रात होते-होते उन्होंने मुख्य सड़क को जाम कर दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। जब पुलिस ने उन्हें हटाने का प्रयास किया तो भीड़ भड़क गई और पथराव शुरू कर दिया। हालात काबू से बाहर होते देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

झड़प के दौरान कई लोग मामूली रूप से घायल हुए हालांकि किसी को भी गंभीर चोट लगने की सूचना नहीं है। कुछ घंटों तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। देर रात पुलिस ने स्थिति नियंत्रित कर सड़क को खाली कराया। इधर अधिकारियों का कहना है कि अब हालात सामान्य हैं लेकिन एहतियातन के तौर पर अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात किया गया है। इधर ग्रामीण नेताओं ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

मधुमेह पीड़ितों को पैरों और आंखों की नियमित देखभाल करना जरूरी:डॉ सेनगुप्ता

मधुमेह चिकित्सा में सुधार के लिए चिकित्सकों की राष्ट्रीय संयुक्त सभा में शामिल हुए शहर के मधुमेह विशेषज्ञ डॉ सौम्य सेनगुप्ता

ज्योति पाठक

चाईबासा: शहर के प्रतिष्ठित मधुमेह विशेषज्ञ डॉ सौम्य सेनगुप्ता ने मधुमेह के खतरों से आमजनों को सचेत करते हुए कहा कि इससे बचाव के लिए अपनी जीवन शैली में परिवर्तन और अनुशासित खान पान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

डा सौम्य सेनगुप्ता 25- और 26 अक्टूबर 2025 को पुरुलिया के शांत गरपंचकोट में आयोजित प्रतिष्ठित एसीडीएसीओएन -

कार्डियो-डायबिटिक साइंटिफिक समिट - का हिस्सा बनकर बोल रहे थे।

उन्हें चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक विषय, ग्राथमिक देखभाल परिवेश में मधुमेह के पैर का प्रबंधन कैसे करें पर प्रस्तुति देने का आमंत्रण अवसर मिला, जिसकी प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों और सहकर्मियों से भरे सदन ने गर्मजोशी से सराहना की।

इस गरिमामयी सभा में देश भर से लगभग 400 मधुमेह चिकित्सकों ने समृद्ध शैक्षणिक आदान-प्रदान और प्रेरक चर्चाओं के जरिए चिकित्सा की नवीन खोजों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

सारंडा में आईईडी विस्फोट में एक बच्ची की मौत

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जराईकेला थाना क्षेत्र के सारंडा जंगल से मंगलवार को एक दर्दनाक घटना हो गई। सियाल पत्ता चुनने गई एक 10 वर्षीय बच्ची की नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, दीघा गांव निवासी जय मासी हेरेंज की बेटी सिरिया हेरेंज (10 वर्ष) मंगलवार सुबह करीब 9 बजे जंगल में सियाल पत्ता चुनने गई थी। इस दौरान वह अनजाने में नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए आईईडी विस्फोटक के संपर्क में आ गई। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई और उसके पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जराईकेला थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और बच्ची के शव को जंगल से बरामद करने की प्रक्रिया शुरू की।

13.57 ग्राम एमडीएमए के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

राजमहल/उधवा : राधानगर क्षेत्र में प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह पर राधानगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। राधानगर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित छापेमारी करते हुए एक युवक को नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री के आरोप में गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान दक्षिण पियारपुर पंचायत के अकुनबन्ना निवासी सरफराज अहमद के रूप में हुई है। पुलिस उक्त युवक से इस धंधे के पीछे शामिल गिरोह या लोगों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए घंटों पूछताछ की। पूछताछ के बाद रविवार को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।मामले को लेकर राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने अपने कार्यालय कक्ष में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि नासघाट पुल के आसपास कोई व्यक्ति प्रतिबंधित नशीले पदार्थ एमडीएमए का अवैध व्यापार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल एक छापेमारी टीम का गठन किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने उक्त स्थान से सरफराज अहमद को मौके से धर दबोचा। तलाशी लेने पर उसके पॉकेट से काले रंग के प्लास्टिक में लगभग 13।57 ग्राम एमडीएमए जैसा नशीला पदार्थ बरामद किया गया। मामले को लेकर कांड संख्या 443/25 धारा 21/27 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी सरफराज अहमद को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

छापेमारी दल में कई पुलिस अधिकारी थे शामिल: छापेमारी दल में बीडीओ उधवा जयंत कुमार तिवारी, थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज, पुलिस अवर निरीक्षक जुमराती अंसारी, सहायक अवर निरीक्षक मनोज कुमार पासवान, सरफुद्दीन खान, श्रीलाल हांसदा व हवलदार प्रहलाद मेहरा आरक्षी 300 विनोद टुडू शामिल थे।

नदी में नहाने के दौरान डूबे तीनों शव बरामद

सरायकेला: स्वर्णरेखा नदी में पूजा करते समय एक नाबालिग समेत तीन श्रद्धालु तेज धारा में बह गए थे। स्थानीय गोताखोरों और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम द्वारा घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद मंगलवार शाम तक तीनों के शव बरामद कर लिए गए। मृतकों की पहचान संजय यादव (42), प्रतीक यादव (19) और आर्यन यादव (13) के रूप में हुई है। तीनों आदित्यपुर और डिमना इलाके के रहने वाले थे। इस हादसे के बाद छठ घाट पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और गोताखोरों ने आर्यन का शव एक दिन पहले ही बरामद कर लिया था, जबकि प्रतीक और संजय की तलाश मंगलवार सुबह तक जारी रही। नदी की तेज धारा और गहराई ने बचाव अभियान के लिए बड़ी चुनौतियां खड़ी कर दीं, लेकिन शाम तक स्थानीय गोताखोरों की सूझबूझ से प्रतीक का शव भी बरामद कर लिया गया। चांडिल एसडीओ विकास राय ने शवों के मिलने की जानकारी दी।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ लोक आस्था का महापर्व छठ संपन्न

उपायुक्त ऋतुराज ने भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर जिलेवासियों की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं उन्नति की कामना की

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा: लोक आस्था का महापर्व छठ आज उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ श्रद्धा और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कोडरमा जिले के सभी छठ घाटों पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जिला प्रशासन, कोडरमा द्वारा पर्व को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई थीं। जिले के उपायुक्त ऋतुराज ने भी आज छठ पर्व को श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया। उन्होंने स्थानीय राजा तालाब घाट पर पहुँचकर

उदयीमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया तथा जिलेवासियों की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं उन्नति की कामना की। इस अवसर पर उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था का महापर्व है, जो प्रकृति, सूर्य देव एवं जल तत्व के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व सामाजिक एकता, स्वच्छता और सामूहिक सहयोग का संदेश देता है। महापर्व के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने सभी छठ पूजा समितियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि जिलेवासियों के सहयोग से यह पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। जिला प्रशासन द्वारा छठ घाटों पर व्यापक व्यवस्थाएँ की गई थीं। जिले के सभी प्रमुख घाटों पर पर्याप्त दण्डाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सभी घाटों पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, चेंजिंग रूम निर्माण, डेंजर जोन की पहचान, विद्युत व्यवस्था, पहुँच मार्गों की मरम्मत तथा प्रमुख घाटों पर गोताखोरों की तैनाती की गई थी। इसके साथ ही जिला नियंत्रण कक्ष लगातार सक्रिय रहा। सभी घाटों पर पदाधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति कर सतत निगरानी सुनिश्चित की गई। सभी अस्पतालों में चिकित्सक, पैरामेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई थी, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।